वर्ष : 34 | अंक : 314 | मुंबई,मंगलवार, 20 जनवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

22 जनवरी को निकलेगी 'लॉटरी'

- 29 नगर निकायों के लिए महापौर पद के आरक्षण की घोषणा 22 जनवरी को होगी
- बालासाहेब की जन्मशताब्दी के बहाने महापौर पद हथियाने की जुगत में शिवसेना

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई महानगरपालिका के चुनाव परिणामों के बाद अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि देश की सबसे अमीर नगर निकाय का 'बॉस' यानी महापौर कौन होगा। 227 सीटों वाली बीएमसी में भाजपा (89 सीटें) और एकनाथ शिंदे की शिवसेना (29 सीटें) के गठबंधन 'महायुति' ने 118 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत (मैजिक फिगर 114) हासिल कर लिया है। महाराष्ट्र सरकार के नगर विकास विभाग ने महापौर पद के आरक्षण के लिए 22 जनवरी 2026 की तारीख तय की है। सुबह 11 बजे मंत्रालय में लॉटरी के जरिए यह तय किया जाएगा कि मुंबई का महापौर पद किस श्रेणी (सामान्य, महिला, ओबीसी, एससी या एसटी) के लिए आरक्षित होगा। आरक्षण की स्थिति साफ होने के बाद ही पार्टियां अपने उम्मीदवारों के नाम तय कर पाएंगी।

'होटल पॉलिटिक्स' और संजय राऊत के दावों पर पलटवार

शिवसेना (UBT) नेता संजय राऊत द्वारा लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए शिंदे ने स्थिति स्पष्ट की। राऊत ने दावा किया था कि शिंदे समूह के पार्षद पार्टी छोड़ सकते हैं, इसलिए उन्हें होटल में रखा गया है। इस पर पलटवार करते हुए शिंदे ने कहा कि नवनिर्वाचित पार्षदों को केवल एक-दूसरे से परिचय और प्रशिक्षण (Training) के उद्देश्य से एक साथ रखा गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इसका कोई गलत राजनीतिक अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए, क्योंकि उनके पार्षद पूरी तरह एकजुट हैं।

महायुति के बीच 'गिव एंड टेक' का फार्मूला

89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी भाजपा 45 साल बाद मुंबई में अपना महापौर बनाने का अवसर नहीं खोना चाहती। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का लक्ष्य बीएमसी में 'ट्रिपल इंजन' की सरकार चलाकर विकास कार्यों को गति देना है। भाजपा के रणनीतिकारों का मानना है कि मुंबई की जनता ने भाजपा को सबसे ज्यादा वोट दिए हैं, इसलिए महापौर पद पर उनका स्वाभाविक दावा है। एकनाथ शिंदे के गढ़ ठाणे (71 सीटें) में शिवसेना अपने दम पर महापौर बनाने की स्थिति में है। वहां भाजपा (28 सीटें) ने सत्ता में शामिल होने के बजाय विपक्ष में बैठने के संकेत दिए हैं। यह शिंदे के लिए चिंता का विषय है, क्योंकि ठाणे में भाजपा का विरोध उनके स्थानीय वर्चस्व को चुनौती दे सकता है। माना जा रहा है कि ठाणे और मुंबई के महापौर पदों को लेकर महायुति के बीच 'गिव एंड टेक' (लेन-देन) का फार्मूला तय हो सकता है।

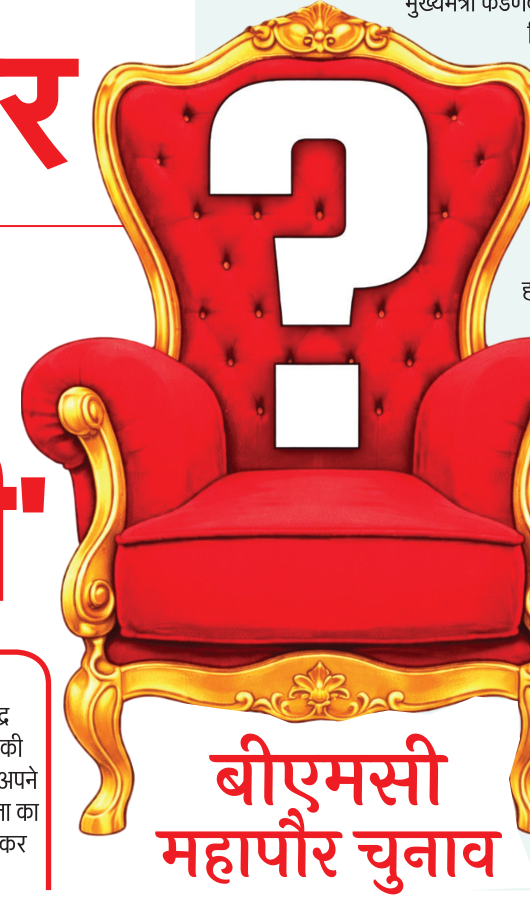

मुंबई में भाजपा गठबंधन का ही होगा महापौर : एकनाथ शिंदे

मुंबई महानगरपालिका चुनाव के बाद महापौर पद को लेकर भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच कशमकश तेज हो गई है, जहाँ कम सीटें होने के बावजूद शिवसेना बालासाहेब ठाकरे की जन्मशताब्दी के नाम पर इस पद की मांग कर रही है, वहीं मुख्यमंत्री फडणवीस ने स्पष्ट कर दिया है कि महापौर भाजपा का ही बनेगा। इस बीच, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने अपने 29 पार्षदों को एकजुट रखने के लिए उन्हें एक पांच सितारा होटल में ठहराया है और सत्ता में साझेदारी की बातचीत पूरी होने तक किसी भी बहकावे में न आने की सलाह दी है। हालांकि, भविष्य की रणनीति को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने संतुलित रुख अपनाते हुए सीधे भाजपा का नाम लेने के बजाय कहा कि महापौर महायुति का बनेगा। मुंबई में पत्रकारों से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि महापौर पद को लेकर गठबंधन के भीतर किसी भी तरह का कोई विवाद या मतभेद नहीं है। चुनाव के बाद सत्ता समीकरणों को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए उन्होंने विश्वास जताया कि गठबंधन पूरी मजबूती के साथ नगर निगम की कमान संभालेगा। उपमुख्यमंत्री ने महापौर पद के चयन के लिए एक स्पष्ट फॉर्मूला पेश किया। उन्होंने बताया कि जिन नगर निगमों में भाजपा और शिंदे गुट मिलकर चुनाव लड़े हैं, वहां पार्षदों की संख्या के आधार पर गठबंधन का ही महापौर चुना जाएगा।

न उम्र की सीमा, न जाति का बंधन...

बीजेपी में 'नबीन' युग

- नितिन नबीन होंगे भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष
- अमित शाह, राजनाथ समेत 37 नेताओं ने पक्ष में किया नामांकन

एजेंसी | नई दिल्ली

आज से बीजेपी में 'नबीन' अध्याय शुरू हो रहा है। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन अब पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे। बीजेपी आलाकमान ने नितिन नबीन को अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का बड़ा फैसला केवल संगठनात्मक स्तर पर नहीं लिया, बल्कि देश की राजनीति को भी एक स्पष्ट संदेश दिया है। संदेश यह कि बीजेपी में नेतृत्व का रास्ता उम्र या वंश नहीं, बल्कि मेहनत, ऊर्जा और संगठनात्मक क्षमता से तय होता है। बीजेपी में नितिन नबीन को अध्यक्ष बनाने का फैसला एक नियुक्ति नहीं बल्कि बीजेपी में पीढ़ीगत बदलाव की श्रृंखला का प्रतीक भी है। 1980 में स्थापना के बाद पहले अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और कुशाभाऊ ठाकरे जैसे नेताओं के नेतृत्व में पार्टी ने अपनी वैचारिक और सांगठनिक नींव मजबूत की। उनके बाद नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह, वैंकया नायडू, अरुण जेटली, सुषमा स्वराज, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा, अमित शाह जैसी दूसरी पीढ़ी ने धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, देवेंद्र फडणवीस, योगी आदित्यनाथ, प्रह्लाद जोशी और अनुराग ठाकुर जैसी तीसरी पीढ़ी के साथ मिलकर पार्टी में संगठनात्मक विस्तार कर सत्ता तक पहुंचाया। अब चौथी पीढ़ी के रूप में युवा नितिन नबीन की ताजपोशी के साथ बीजेपी ने औपचारिक रूप से नेतृत्व की कमान सौंप दी है।

नितिन नबीन सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष

भाजपा में अब तक 11 नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। इनमें लालकृष्ण आडवाणी तीन बार अध्यक्ष बने, जबकि राजनाथ सिंह ने दो बार यह जिम्मेदारी संभाली। नितिन नबीन सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं।

विरोध में खड़ा नहीं हुआ कोई उम्मीदवार, आज होगा नाम का ऐलान

औपचारिक ऐलान आज

सोमवार को दिल्ली में पार्टी हेडक्वार्टर में नॉमिनेशन प्रक्रिया की गई। राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. के. लक्ष्मण ने कहा- इस पद के लिए केवल नितिन नबीन का ही नाम प्रस्तावित हुआ है। उन्होंने कहा कि नितिन नबीन के समर्थन में कुल 37 सेट नामांकन पत्र दाखिल किए गए। नामांकन पत्रों की जांच की गई, जिसमें सभी वैध पाए गए। अब नितिन के नाम का औपचारिक ऐलान 20 जनवरी को किया जाएगा। सोमवार हुई नॉमिनेशन प्रक्रिया के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, नितिन गडकरी समेत सभी राज्यों के सीएम और सीनियर नेताओं ने नितिन के समर्थन में नामांकन पत्र जमा किया था। भाजपा ने 16 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था। नितिन को 14 दिसंबर 2025 को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था।

पांच राज्यों के चुनाव में बीजेपी

नबीन ऐसे समय अध्यक्ष बन रहे हैं जब पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु,पुडुचेरी, केरल और असम में विधानसभा के चुनाव होने हैं। इनमें से पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल ऐसे राज्य हैं, जहां बीजेपी आज तक सरकार नहीं बना पाई है। वहीं बीजेपी के सामने असम में तीसरी बार और पुडुचेरी में दूसरी बार सरकार बनाने की चुनौती है। ये चुनावी राज्य बीजेपी के लिए कितने महत्वपूर्ण हैं, इसे इस तरह समझ सकते हैं कि पीएम नरेंद्र मोदी पिछले साल जुलाई से अब तक पश्चिम बंगाल का चार बार, असम का तीन और तमिलनाड का दो बार दौरा कर चुके हैं।

बीजेपी का चौंकाने वाला फैसला

बीजेपी ने नितिन नबीन को दिसंबर में पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त कर सबको चौका दिया था। पांच बार के विधायक नबीन के पास इससे पहले सबसे बड़ा पद भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महासचिव का मिला था। इस जिम्मेदारी को निभाते हुए नबीन ने अपनी कार्यकुशलता की छाप छोड़ी थी। इसके बाद नबीन को छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिए सहप्रभारी नियुक्त किया गया था। कहा जाता है कि प्रचार अभियान और चुनाव प्रबंधन की रणनीति बनाने में नबीन का अहम योगदान था। इसी की बदौलत बीजेपी कांग्रेस को हरा पाने में कामयाब हो पाई थी। कहा जाता है कि इसी कामयाबी का फल पार्टी आलाकमान ने नबीन को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर दिया। बीजेपी आलाकमान के इस फैसले ने सबको चौंकाया था। बीजेपी का अध्यक्ष बनने वाले नबीन बिहार के पहले नेता हैं। वो बीजेपी के पहले कायस्थ अध्यक्ष भी होंगे।

एसआईआर विवाद

ईसीआई को सुप्रीम कोर्ट की खरी खरी

- गड़बड़ी वाले 1.25 करोड़ नाम सार्वजनिक करने का निर्देश
- जांच पारदर्शी रहे, ताकि आम लोगों को परेशानी न हो: सुको

एजेंसी | नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (SIR) को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बेहद महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की विशेष बेंच ने चुनाव आयोग (ECI) को सख्त निर्देश दिया है कि वह उन 1.25 करोड़ वोटरों की सूची सार्वजनिक करे, जिनके नामों को 'तार्किक विसंगति' के आधार पर संदिग्ध माना गया है।

ग्राम पंचायतों और वार्डों में चस्पा होगी लिस्ट

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पारदर्शिता बनाए रखने के लिए यह सूची ग्राम पंचायतों, ब्लॉक कार्यालयों और वार्ड ऑफिसों में अनिवार्य रूप से लगाई जाए। कोर्ट ने इस प्रक्रिया के लिए यह दिशा-निर्देश दिए कि लिस्ट जारी होने के बाद लोगों को अपनी आपत्तियां दर्ज कराने के लिए 10 दिनों का पर्याप्त समय मिलेगा। यदि किसी के दस्तावेज अधूरे हैं, तो उन्हें नए प्रूफ पेश करने का मौका दिया जाएगा। अधिकारियों को डॉक्यूमेंट जमा करने पर रसीद देना अनिवार्य होगा। यदि किसी वोटर का नाम सूची से काटा जाता है, तो चुनाव आयोग को अंतिम फैसले में उसका ठोस कारण बताना होगा।

'व्हाट्सएप से नहीं चलती सरकार'

सुनवाई के दौरान जब यह तथ्य सामने आया कि चुनाव आयोग आधिकारिक सर्कुलर के बजाय व्हाट्सएप के जरिए निर्देश भेज रहा है, तो CJI सूर्यकांत नाराज हो गए। उन्होंने दो टूक कहा, सब कुछ व्हाट्सएप के जरिए चलाने का कोई सवाल ही नहीं उठता। इसके लिए प्रॉपर आधिकारिक सर्कुलर जारी होना चाहिए। अदालत में 'लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी' की परिभाषा पर भी तीखी बहस हुई। जब आयोग ने माँ और बेटे की उम्र में 15 साल का अंतर होने को गलती बताया, तो जस्टिस बागची ने कहा कि भारत में बाल विवाह एक हकीकत है, इसे सीधे तौर पर गड़बड़ी नहीं माना जा सकता।

ब्रीफ न्यूज़

1.85 करोड़ की 'व्हेल की उल्टी' जब्त, दो गिरफ्तार

पालघर। पालघर जिले की वसई पुलिस ने एक सफल अभियान के तहत 1.85 करोड़ रुपये मूल्य की अंबरग्रीस (व्हेल की उल्टी) जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त पूर्णिमा चौगुले-श्रृंगी के अनुसार, नालासोपारा पूर्व में बिछाए गए जाल के दौरान जवाहर निवासी कादिर गफार करग़शरा को 1.858 किलोग्राम मोम जैसे प्रतिबंधित पदार्थ के साथ दबोचा गया, जिसकी पुष्टि अंबरग्रीस के रूप में हुई है। मामले की गहराई से जांच करते हुए पुलिस ने इसके स्रोत का पता लगाया और ठाणे निवासी किशोर महादेव तपसले को भी हिरासत में ले लिया।

कुपोषण से मौतों पर कोर्ट की महाराष्ट्र सरकार को फटकार

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र के आदिवासी क्षेत्रों, विशेषकर मेलघाट में कुपोषण के कारण 115 से अधिक शिशुओं और गर्भवती महिलाओं की मृत्यु पर गहरा क्षोभ व्यक्त करते हुए राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। न्यायमूर्ति रविंद्र घुगे और न्यायमूर्ति अभय मंत्री की पीठ ने सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को ₹अपर्याप्त₹ बताते हुए कहा कि इस गंभीर मानवीय संकट से निपटने के लिए प्रशासन में दृढ़ इच्छाशक्ति और तत्परता की भारी कमी है। हालांकि सरकार ने अपने हलफनामे में कम उम्र में विवाह और समय पूर्व प्रसव जैसी जटिलताओं को मौतों का कारण बताया, लेकिन अदालत ने स्पष्ट किया कि सरकार को इन मूल कारणों को दूर करने के लिए विशेष उपाय करने होंगे।

जो वादा किया वो निभाना पड़ेगा...

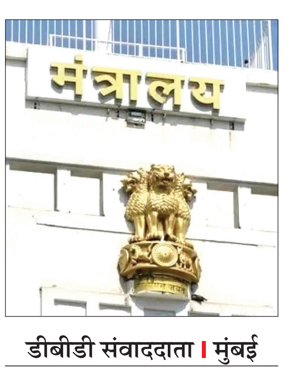

- सदन में दिए गए आश्वासनों की 90 दिनों में पूर्ति अनिवार्य
- संसदीय कार्य विभाग ने जारी की नई गाइडलाइन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

विधानमंडल की कार्यवाही में मंत्रियों द्वारा दिए जाने वाले आश्वासनों और सदस्यों द्वारा पूछे गए सवालों की उपेक्षा अब आसान नहीं होगी। राज्य के संसदीय कार्य विभाग ने सोमवार को 1998 से चले आ रहे पुराने नियमों को संशोधित करते हुए नई मार्गदर्शक सूचनाएं जारी की हैं। इसके तहत मंत्रियों के लिए सदन में किए गए वादों को एक निश्चित समय-सीमा के भीतर पूरा करना अब अनिवार्य कर दिया गया है। नई नियमावली के अनुसार, मंत्रियों द्वारा सदन के पटल पर दिए गए किसी भी आश्वासन को अधिकतम 90 दिनों के भीतर पूरा करना होगा। अब तक आश्वासनों के पूरा होने में वर्षों लग जाते थे, लेकिन अब 3 महीने की यह सख्त डेडलाइन नौकरशाही को तेजी से काम करने के लिए मजबूर करेगी।

'आश्वासन एवं संसदीय आयुध पूर्ति समिति' का गठन

इन नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक सरकारी विभाग में एक विशेष समिति गठित करने के आदेश दिए गए हैं। विभाग के सचिव इस समिति के अध्यक्ष होंगे। यह समिति हर 15 दिन में लंबित आश्वासनों और प्रश्नों की समीक्षा करेगी। जो आश्वासन पिछले 2 वर्षों से अधिक समय से लंबित हैं, उन्हें निपटाने के लिए सरकार ने विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया है। अधिवेशन के दौरान विभागीय मुस्तैदी बढ़ाने के लिए अब विधानमंडल की गैलरी और संबंधित विभागों में जिम्मेदार अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। प्रत्येक विभाग को एक सहसचिव या उपसचिव स्तर के अधिकारी को 'समन्वय अधिकारी' के रूप में नियुक्त करना होगा, जो विधानमंडल सचिवालय और मंत्रालय के बीच सेतु का कार्य करेगा।

जिला परिषद-पंचायत समिति चुनाव

कांग्रेस और ओबीसी बहुजन फ्रंट ने किया गठबंधन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने आगामी 5 फरवरी 2026 को होने वाले जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के लिए एक बड़ी राजनीतिक घोषणा की है। सोमवार को आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में सपकाल ने प्रकाश शेंडगे के नेतृत्व वाले 'ओबीसी बहुजन फ्रंट' के साथ चुनावी गठबंधन का ऐलान किया। सपकाल ने स्पष्ट किया कि यह गठबंधन केवल सत्ता हासिल करने के लिए नहीं, बल्कि समाज के पिछड़े और वंचित वर्गों को उचित प्रतिनिधित्व और न्याय दिलाने के लिए किया गया है।

मुख्यमंत्री पर तीखा हमला

संवाददाता सम्मेलन के दौरान हर्षवर्धन सपकाल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने आरक्षण को समुदायों को आपस में बांटने के एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया है। सपकाल ने विशेष रूप से धनगर आरक्षण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि फडणवीस ने 2014 में पहली बार सरकार बनने पर आरक्षण की फाइल पर हस्ताक्षर करने का वादा किया था, लेकिन एक दशक बाद भी वह वादा अधूरा है।

गठबंधन का वैचारिक आधार

सपकाल के अनुसार, कांग्रेस और ओबीसी बहुजन फ्रंट की यह साझेदारी एक वैचारिक प्रतिबद्धता है जिसका मुख्य उद्देश्य सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कांग्रेस पार्टी जाति जनगणना और जनसंख्या के आधार पर आनुपातिक प्रतिनिधित्व की मांग का पूरी तरह समर्थन करती है। राहुल गांधी द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर उठाई जा रही जाति जनगणना की मांग को इस गठबंधन का मुख्य आधार बताया जा रहा है।

बीजेपी नेता नवनीत राणा को फिर मिली जान से मारने की धमकी

अमरावती। अमरावती की पूर्व सांसद और भाजपा नेता नवनीत राणा को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है, जिसके बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। इस बार एक अज्ञात कॉलर ने सीधे पुलिस के डायल 112 नियंत्रण कक्ष पर फोन कर दावा किया कि राणा की हत्या बाबा सिद्दिकी की तर्ज पर कर दी जाएगी। इस गंभीर मामले को लेकर राणा के सुरक्षा सहायक ने अमरावती के राजापेठ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है, जिसके आधार पर पुलिस तकनीकी जांच के जरिए आरोपी की पहचान करने में जुटी है। यह धमकी नवनीत राणा द्वारा हाल ही में जनसंख्या और बच्चों के जन्म से संबंधित दिए गए एक विवादित बयान के बाद आई है।

कट्टरपंथ के खिलाफ | हर राज्य में बनेगा विशेष कार्यबल

'व्हाइट कॉलर' संदिग्धों पर एजेंसियों की होगी कड़ी नजर

एजेंसी | नई दिल्ली

देश में कट्टरपंथी तत्वों की बढ़ती गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने अब जमीनी स्तर पर पुख्ता घेराबंदी शुरू कर दी है। केंद्र सरकार के निर्देश पर हर राज्य में एक विशेष रूप से प्रशिक्षित 'कार्यबल' (Task Force) तैयार किया जा रहा है, जिसे खासतौर पर 'व्हाइट कॉलर' संदिग्धों पर नजर रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन प्रशिक्षित जवानों को केंद्रीय एजेंसियों द्वारा विशेष केस स्टडीज के जरिए कट्टरपंथ के आधुनिक मॉड्यूल्स और उनसे निपटने के प्रभावी तरीकों के बारे में बताया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में सुरक्षा बलों को न केवल स्थानीय बल्कि वैश्विक अनुभवों से भी लैस किया जा रहा है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति को समय रहते रोका जा सके।

खतरनाक ट्रेंड : डॉक्टरों और उच्च शिक्षित पेशेवरों पर आतंकी संगठनों की नज़र

सुरक्षा एजेंसियों के लिए सबसे बड़ी खतरे की घंटी वह नया ट्रेंड है जिसमें हिजबुल मुजाहिदीन, लश्कर, जैश और अंसार गजवा-तुल-हिंद जैसे संगठन उच्च शिक्षित युवाओं को अपना निशाना बना रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, स्नातक और व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त युवाओं के बाद अब डॉक्टरों का आतंकी संगठनों की ओर आकर्षित होना एक बेहद चिंताजनक विषय है। शिक्षित वर्ग को मोहरा बनाने की इस चाल को सुरक्षा एजेंसियां एक 'साइलेंट किलर' के रूप में देख रही हैं, क्योंकि ऐसे लोग समाज में गहराई तक घुले-मिले होते हैं और उनकी पहचान करना पारंपरिक संदिग्धों की तुलना में कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होता है।

न्यूज़ ब्रीफ

आपदा प्रबंधन टीम ने खिड़की के ग्रिल में फंसे कबूतर को सुरक्षित निकाला

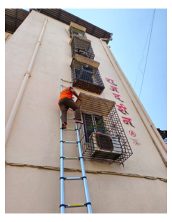

ठाणे। ठाणे के लुइसवाड़ी परिसर में साईबाबा मंदिर के सामने स्थित राजदर्शन सोसायटी की दूसरी मंजिल पर एक कबूतर खिड़की के ग्रिल में फंस गया था, जिसे मनपा आपदा प्रबंधन विभाग के कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए सुरक्षित बचा लिया। घटना की सूचना मिलते ही आपदा प्रबंधन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और ग्रिल में फंसे हुए पक्षी को सावधानीपूर्वक बाहर निकालने में सफलता प्राप्त की।

27.21 करोड़ का अंतरराज्यीय ड्रग रैकेट ध्वस्त, एमपी से मास्टरमाइंड गिरफ्तार

ठाणे। ठाणे के मुंब्रा पुलिस की एनडीपीएस टीम ने एक बड़े ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए 13.6 किलोग्राम मेफेड्रोन (MD) बरामद की है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 27.21 करोड़ रुपये आंकी गई है। यह किसी भी पुलिस स्टेशन स्तर पर अब तक की सबसे बड़ी ड्रग जब्ती है, जिसका जाल महाराष्ट्र से लेकर मध्य प्रदेश के रतलाम तक फैला हुआ था। मुंब्रा में एक स्थानीय तस्कर की गिरफ्तारी से शुरू हुई इस जांच ने पुलिस को मध्य प्रदेश के मुख्य आपूर्तिकर्ताओं और मास्टरमाइंड मनोहर लाल गुर्जर व रियाज मोहम्मद तक पहुँचाया, जिन्हें भारी मात्रा में नशीले पदार्थों के साथ दबोचा गया। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह एक संगठित नेटवर्क चला रहा था और पकड़े गए आरोपी आदतन अपराधी हैं। इस कार्रवाई के साथ ही मुंब्रा पुलिस ने जनवरी 2024 से अब तक कुल 48.50 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग्स जब्त कर एक नया रिकॉर्ड स्थापित किया है।

सरकार ने नदी जोड़ो परियोजनाओं के लिए केंद्र से मांगी वित्तीय मदद

मुंबई। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल की उपस्थिति में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान, महाराष्ट्र सरकार ने राज्य को पूरी तरह सूखा-मुक्त बनाने के लक्ष्य के साथ 'नदी जोड़ो परियोजनाओं' को गति देने हेतु केंद्र से विशेष वित्तीय सहायता की मांग की है। राज्य के जल संसाधन मंत्री डॉ. राधाकृष्ण विखे पाटिल ने दमनगंगा-एकदारे-गोदावरी, नलगंगा-वैनगंगा और पार गोदावरी जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति से अवगत कराते हुए स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में राज्य जल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में बढ़ रहा है। केंद्रीय मंत्री पाटिल ने इन परियोजनाओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया और राज्य को इन महत्वपूर्ण जल प्रबंधन योजनाओं को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव वित्तीय और तकनीकी सहायता का आश्वासन दिया।

आपराधिक घटनाओं पर पुलिस हुई सख्त

▸▸ ठाणे के बड़े अधिकारियों का दौरा, घटना की जांच करेगी क्राइम ब्रांच पुलिस

▸▸ कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी: डॉ. चव्हाण

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी नगर निगम चुनाव के नतीजों के बाद उपजी हिंसा को लेकर पुलिस प्रशासन अब बेहद सख्त रुख अपना रहा है। ठाणे के संयुक्त पुलिस आयुक्त (Joint CP) डॉ. ज्ञानेश्वर चव्हाण ने भिवंडी में आयोजित शांति समिति की बैठक में स्पष्ट चेतावनी दी कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी 'सामाजिक उपद्रवी' को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने चुनावी हार-जीत को खेल भावना से लेने की अपील करते हुए कहा कि राजनीतिक क्रोध के कारण सार्वजनिक जीवन को बाधित करना कानूनन अपराध है।

घटना की गहराई से होगी जांच

डॉ. चव्हाण ने घोषणा की कि रविवार रात हुई पत्थरबाजी और झड़प की जांच केवल स्थानीय पुलिस ही नहीं, बल्कि क्राइम ब्रांच (Crime Branch) भी करेगी। पुलिस अब तक इस मामले में 5 अलग-अलग प्राथमिकी (FIR) दर्ज कर चुकी है और 150 संदिग्धों को हिरासत में लिया जा चुका है। अन्य आरोपियों की पहचान के लिए क्षेत्र के सभी सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

अफवाह फैलाने वालों पर पैनी नजर

बैठक के दौरान संयुक्त आयुक्त ने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर विश्वास न करें। उन्होंने सोशल मीडिया (WhatsApp, Facebook आदि) पर भड़काऊ संदेश फॉरवर्ड करने वालों को आगाह किया कि अफवाह फैलाना एक गंभीर अपराध है और पुलिस की साइबर टीम हर पोस्ट पर नजर रख रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्रवाई पूरी तरह निष्पक्ष रहेगी, चाहे दोषी किसी भी राजनीतिक दल से जुड़ा हो।

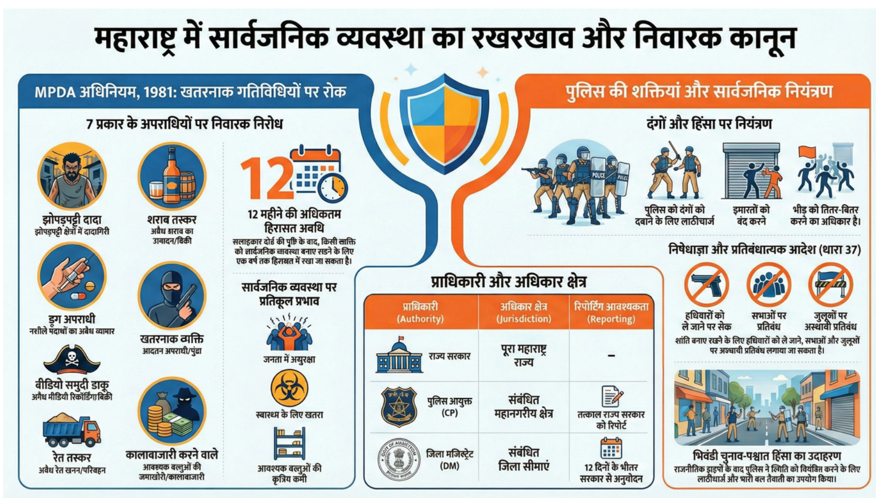

पुलिस अधिकारियों की हाई-लेवल बैठक

शांति समिति की बैठक से पहले डॉ. चव्हाण ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त विनायक देशमुख, पंजाबराव उगले, डीसीपी अमरसिंह जाधव (क्राइम ब्रांच), मीना मकवानी और भिवंडी के डीसीपी शशिकांत बोराटे उपस्थित थे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे शहर के संवेदनशील वार्डों में रूट मार्च (Route March) करें ताकि जनता के बीच सुरक्षा का भाव पैदा हो सके।

उपद्रवियों के खिलाफ 'एमपीडीए' और तड़ीपार की कार्रवाई

पुलिस की सख्ती का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पिछले एक वर्ष में ठाणे आयुक्तालय क्षेत्र में 300 से अधिक और अकेले भिवंडी में 70 अपराधियों को तड़ीपार (निर्वासित) किया गया है। डॉ. चव्हाण ने कहा कि नए उपद्रवियों के खिलाफ भी MPDA (महाराष्ट्र खतरनाक गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम) के तहत निवारक कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व महापौर के घर पर पथराव

भिवंडी के वार्ड नंबर एक में चुनावी नतीजों के बाद सत्ता का संघर्ष सड़कों पर उतर आया है। कोणार्क विकास आघाड़ी के विलास आर. पाटिल के पुत्र मयूरेश पाटिल ने भाजपा विधायक महेश चौघुले के पुत्र मित चौघुले को कड़े मुकाबले में हरा दिया। इस हार के बाद दोनों गुटों के बीच तनाव चरम पर पहुँच गया, जिसके परिणामस्वरूप रविवार रात कोंबडपाड़ा और छत्रपति शिवाजी महाराज चौक इलाके में जमकर हिंसा, पथराव और चाकूबाजी हुई। मयूरेश पाटिल की जीत के कुछ ही देर बाद, आक्रोशित समर्थकों ने पूर्व महापौर विलास पाटिल के निजी आवास 'रत्नादीप बंगले' को निशाना बनाया। आरोप है कि मित चौघुले के समर्थकों ने बंगले पर पत्थरबाजी की और वहां मौजूद कार्यकर्ताओं पर चाकू से हमला किया। इस हमले में पूर्व महापौर प्रतिभा पाटिल भी घायल हो गईं। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल फैल गया और पाटिल समर्थकों ने विरोध में शिवाजी चौक पर रास्ता रोको आंदोलन शुरू कर दिया। निजामपुर पुलिस ने इस हिंसा को लेकर अब तक कुल चार अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। इनमें पूर्व महापौर विलास पाटिल, भाजपा उम्मीदवार रितेश टावरे और विधायक समर्थकों समेत कुल 200 से अधिक लोगों को नामजद किया गया है। पुलिस ने रात भर छापेमारी कर दोनों गुटों के 44 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में विलास पाटिल के बंगले से हिरासत में लिए गए 35 समर्थक और विधायक गुट के 8 लोग शामिल हैं।

देर रात तक खुलने वाले प्रतिष्ठानों पर नकेल

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अब शहर के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर भी नजर रखेगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि निर्धारित समय सीमा के बाद भी खुले रहने वाले होटल, दुकानों और अन्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाए। इसका उद्देश्य रात के समय असामाजिक तत्वों के जमावड़े को रोकना है।

बहू का अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी

▸▸ सास-ससुर और ननद समेत पति पर मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई के खारघर सेक्टर-16 स्थित वास्तुविहार परिसर में एक विवाहित महिला के साथ शारीरिक, मानसिक और आर्थिक प्रताड़ना का दहला देने वाला मामला उजागर हुआ है। पीड़िता की शिकायत के अनुसार, फरवरी 2019 से ही उसके ससुराल वाले उसे लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। इस मामले में खारघर पुलिस ने महिला के पति सुहास उत्तम धनवे (38), ससुर उत्तम हसू धनवे (68), सास राजश्री और ननद प्रियंका रणदिवे के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि पूरे परिवार ने मिलकर न केवल महिला को अपमानित किया, बल्कि उसे बेसहारा छोड़ने की साजिश भी रची।

अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी और घर से निकाला

शिकायत में एक चौंकाने वाला खुलासा यह भी हुआ है कि जब महिला ने अपने गहनों और हक के लिए आवाज उठाई, तो पति और ससुराल वालों ने उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। उसे धमकी दी गई कि उसके निजी अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए जाएंगे। इस भयावह मानसिक दबाव के बीच, अंततः पीड़िता को उसकी नाबालिग बेटी के साथ घर से बाहर निकाल दिया गया। इस गंभीर प्रकरण को संज्ञान में लेते हुए खारघर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं, जिनमें धारा 85, 86, 316(2), और 351(3) शामिल हैं, के तहत अपराध क्रमांक 27/2026 दर्ज किया है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अजय कांबळे के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक प्रदीप आव्हाड मामले की आगे की जांच कर रहे हैं।

56 तोला सोना हड़पा और मायके से कार लाने का बनाया दबाव

पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि ससुराल पक्ष की ओर से उस पर मायके से पैसे और नई कार लाने का लगातार दबाव बनाया जा रहा था। जब उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो उत्पीड़न और बढ़ गया। महिला का आरोप है कि उसके पास मौजूद 56 तोला सोने के आभूषण, जिनकी बाजार में कीमत करीब 20 लाख रुपये है, ससुराल वालों ने धोखे से अपने निजी इस्तेमाल के लिए हड़प लिए। इतना ही नहीं, प्रताड़ना की हद पार करते हुए महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भपात कराने और अनैतिक संबंधों के लिए मजबूर करने के प्रयास जैसे संगीन आरोप भी लगाए गए हैं।

धार्मिक स्थल पर गुंडागर्दी

मंदिर समिति के सचिव को जान से मारने की धमकी

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई के सीवूड्स इलाके में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहाँ एक युवक ने धार्मिक स्थल को निशाना बनाते हुए जमकर उत्पात मचाया। आरोपी जस्वीर तांडेल (35) पर आरोप है कि उसने न केवल मंदिर के पुजारी के साथ मारपीट की, बल्कि मंदिर समिति के सचिव को भी जान से मारने की धमकी दी। इस घटना के बाद से पूरे परिसर में तनाव और श्रद्धालुओं के बीच भारी आक्रोश व्याप्त है। स्थानीय नागरिकों की सूचना पर एनआरआई पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जाँच शुरू कर दी है।

जबरन धार्मिक नारे लगाने का दबाव और पुजारी पर हमला

घटना की शुरुआत उस समय हुई जब साईं बाबा मंदिर के पुजारी आकाश माधवप्रकाश गोस्वामी मारुति मंदिर में पूजा सामग्री लेने के लिए एक पान टपरी पर पहुंचे थे। तभी आरोपी जस्वीर तांडेल वहाँ पहुँचा और पुजारी पर जबरन एक विशेष धार्मिक नारा लगाने और सिगरेट देने का दबाव बनाने लगा। पुजारी द्वारा इस अनुचित मांग को ठुकराने पर आरोपी ने उनके साथ गाली-गलौज की और उन पर हाथ उठा दिया। मौके पर मौजूद लोगों के हस्तक्षेप के बाद स्थिति को किसी तरह संभाला गया, लेकिन आरोपी की गुंडागर्दी यहीं नहीं रुकी। पुजारी के साथ दुर्व्यवहार करने के बाद आरोपी ने साईं बाबा मंदिर समिति के सचिव संजू (संचू) मेनन को खुलेआम गोली मारने की धमकी दी। गौरतलब है कि संजू मेनन इलाके में नशे और अवैध गतिविधियों के खिलाफ मुखर रहे हैं, जिसके कारण उन्हें निशाना बनाए जाने की आशंका जताई जा रही है। इसके कुछ देर बाद ही आरोपी ने सेक्टर-44 में एक पतंजलि स्टोर के पास एक अन्य नागरिक पर धारदार हथियार से हमला करने की कोशिश की। पीड़ित ने भागकर दुकान में छुपकर अपनी जान बचाई और पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित किया।

ठाणे में सजेगा महाराष्ट्र का सबसे बड़ा माघी गणेशोत्सव

▸▸ माघी गणेशोत्सव पर अहिल्यादेवी निर्मित मंदिर की आकृति

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे का पचपाखड़ी क्षेत्र इस वर्ष महाराष्ट्र के सबसे बड़े माघी गणेशोत्सव का साक्षी बनने जा रहा है। 'वंदे मातरम संघ' द्वारा आयोजित यह भव्य उत्सव गुरुवार, 22 जनवरी से बुधवार, 28 जनवरी 2026 तक मनाया जाएगा। उत्सव के संयोजक संदीप लेले ने बताया कि इस वर्ष का आयोजन ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बेहद खास है, जो ठाणे की प्रसिद्धि में एक नया अध्याय जोड़ेगा। श्री गणेश का आगमन बुधवार, 21 जनवरी को होगा, जिसके बाद सात दिनों तक चलने वाले इस उत्सव में आस्था और कला का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा।

दिग्गज नेताओं की उपस्थिति और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

इस महोत्सव में राजनीति, समाजसेवा और कला जगत की नामचीन हस्तियां शिरकत करेंगी। आमंत्रित अतिथियों में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ए. रवींद्र चव्हाण, आशीष शेलार, प्रताप सरनाईक, विधायक संजय केलकर और निरंजन डावखरे समेत कई दिग्गज शामिल हैं। उत्सव के दौरान हर शाम विशेष कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें 'गीत गजानन' का संगीतमय पाठ, 'गणेश का रूप और स्वरूप' पर व्याख्यान, और वरिष्ठ वकील उदय वरुणजीकर का 'गणतंत्र और संविधान' जैसे विषयों पर प्रबोधन शामिल है। इसके अलावा, लोकमान्य तिलक और गणेशोत्सव पर कीर्तन भी आयोजित किया जाएगा।

अहिल्यादेवी होल्कर की 300वीं जयंती

इस वर्ष के उत्सव का मुख्य आकर्षण मध्य प्रदेश के माहेश्वरी घाट (अहिल्यादेवी होल्कर किले) स्थित प्राचीन गणेश मंदिर का भव्य सेट है। पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर की 300वीं जन्मशती के उपलक्ष्य में बनाई गई यह प्रतिकृति कचहरी तालाब के पास परमार्थ निकेतन चौक पर स्थापित की गई है। आकर्षक विद्युत सज्जा और बारीकी से उकेरी गई इस कलाकृति के माध्यम से श्रद्धालु ठाणे में ही मध्य प्रदेश के ऐतिहासिक वैभव का अनुभव कर सकेंगे।

उल्हासनगर में शिंदे सेना का महापौर

▸▸ वंचित बहुजन आघाड़ी ने शिवसेना को दिया समर्थन

डीबीडी संवाददाता । उल्हासनगर

15 जनवरी 2026 को हुए मतदान और 16 जनवरी को आए नतीजों ने उल्हासनगर में एक बेहद दिलचस्प मुकाबला पेश किया। राज्य की सत्ता में एक साथ होने के बावजूद उल्हासनगर में भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) ने अलग-अलग चुनाव लड़ा था। दोनों ही दलों को 37-37 सीटें मिलीं, जिससे सत्ता की चाबी निर्दलीयों और छोटे दलों के पास चली गई। अब वंचित बहुजन आघाड़ी के समर्थन ने इस गतिरोध को खत्म कर दिया है।

किंगमेकर बनी वंचित बहुजन आघाड़ी

इस चुनाव में पहली बार नगर निगम में खाता खोलने वाली वंचित बहुजन आघाड़ी निर्णायक भूमिका में आ गई। VBA की ओर से निर्वाचित दो पार्षदों— सुरेखा सोनावणे और विकास खरात ने रविवार रात (18 जनवरी) मुंबई में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से उनके आवास पर मुलाकात की और शिवसेना को अपना आधिकारिक समर्थन पत्र सौंपा। इस समर्थन के बाद शिवसेना का संख्याबल 40 (36 शिवसेना + 1 निर्दलीय + 1 साई पार्टी + 2 VBA) हो गया है।

बहुमत का गणित: कैसे पहुंची शिवसेना?

78 सीटों वाली उल्हासनगर महानगरपालिका में सत्ता स्थापित करने के लिए आवश्यक 40 सीटों के बहुमत के आँकड़े को शिवसेना गठबंधन ने सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है। शिवसेना और ओमी कलानी की टीम (TOK) के गठबंधन को 36 सीटें मिली थीं, जबकि गठबंधन में शामिल साई पार्टी को 1 सीट प्राप्त हुई। बहुमत की कमी को पूरा करने के लिए वंचित बहुजन आघाड़ी (VBA) के 2 पार्षदों और निर्दलीय प्रत्याशी सविता तोरणे के समर्थन ने अहम भूमिका निभाई है।

शिंदे की नीति और वकीलों का मोर्चा

सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने चुनावी नतीजों के तुरंत बाद से ही मोर्चा संभाल लिया था। उन्होंने न केवल गठबंधन के सहयोगियों को एकजुट रखा, बल्कि 'हॉर्स ट्रेडिंग' (पार्षदों की खरीद-फरोख्त) की संभावना को देखते हुए समर्थन देने वाले पार्षदों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर दिया। वकीलों और स्थानीय नेताओं ने भी विकास कार्यों की दुहाई देते हुए इस गठबंधन को नैतिक रूप से सही ठहराया है।

फरवरी में दौड़ेगी मेट्रो, 1200 करोड़ से सड़कों का कायाकल्प

भाईंदर। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने मीरा-भाईंदर के कायाकल्प के लिए एक व्यापक रोडमैप पेश किया है, जिसके तहत फरवरी 2026 में मेट्रो-9 के पहले चरण की शुरुआत के साथ नागरिकों का लंबा इंतज़ार खत्म होगा। शहर के सर्वांगीण विकास हेतु आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने महिला सशक्तिकरण के लिए 100 करोड़ रुपये की लागत से 'उमेद' मॉल और हॉस्टल के निर्माण, 1200 करोड़ रुपये के बजट से सड़कों के सीमेंट कंक्रीटिंग द्वारा शहर को गड्ढामुक्त बनाने और बीओटी मॉडल पर पूरे शहर में फ्री वाई-फाई सुविधा देने जैसी महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। इसके साथ ही, प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए हर महीने 'जनता दरबार' और नियमित समीक्षा बैठकें आयोजित करने का निर्णय लिया गया है, ताकि 'सपनों का मीरा-भाईंदर' साकार किया जा सके।

इंडियन रबर कंपनी के कामगारों को 28 साल बाद मिली राहत

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे महानगरपालिका चुनाव के संपन्न होने के बाद, विधायक संजय केलकर ने खोपट स्थित भाजपा कार्यालय में अपना 'जनसेवक जनसंवाद' कार्यक्रम फिर से शुरू कर दिया है। इस कार्यक्रम के पहले ही दिन बड़ी संख्या में नागरिक अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे, जिनमें इंडियन रबर कंपनी के पीड़ित कामगार भी शामिल थे। विधायक केलकर ने मीडिया से बात करते हुए आश्वासन दिया कि पिछले 28 वर्षों से अपने हक की प्रतीक्षा कर रहे इन कामगारों को न्याय दिलाने के लिए प्रशासन और सरकार सकारात्मक रुख अपना रही है, जिससे दशकों पुराने इस मुद्दे के समाधान की नई उम्मीद जगी है।

बकाया भुगतान और क्लस्टर योजना

इंडियन रबर कंपनी के कामगारों को पिछले 28 वर्षों से उनका वेतन और अन्य वित्तीय लाभ नहीं मिल पाए हैं। मामला तब और पेचीदा हो गया जब कंपनी की ज़मीन को एक क्लस्टर विकास परियोजना के लिए अधिग्रहित कर लिया गया। विधायक केलकर ने स्पष्ट किया कि हालांकि कामगार कानूनी स्तर पर अदालत में केस हार चुके हैं, लेकिन मानवीय आधार और सहानुभूति के तौर पर उन्हें आर्थिक मदद दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कामगार आयुक्त के साथ बैठक कर इस विषय पर विस्तृत चर्चा की है ताकि इन परिवारों को वित्तीय संकट से बाहर निकाला जा सके।

प्रशासनिक सकारात्मकता और नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का समर्थन

इस पूरे मामले में ठाणे नगर निगम के आयुक्त ने भी सकारात्मक रुख दिखाया है, जिससे कामगारों को जल्द राहत मिलने की संभावना प्रबल हो गई है। जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान विधायक केलकर के साथ नवनिर्वाचित नगरसेवक सीताराम राणे, विकास पाटिल, सुरेश कांबले, वैभव कदम और उषा वाघ सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद थे। जनप्रतिनिधियों की इस एकजुटता ने कामगारों को भरोसा दिलाया है कि उनके बकाया भुगतान और पुनर्वास की प्रक्रिया को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे 28 साल से जारी उनका वनवास अब समाप्त होने की ओर है।

भाजपा के पराजित उम्मीदवार के बेटे ने की पिटाई

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी महानगरपालिका चुनाव के नतीजों के बाद शहर में राजनीतिक प्रतिशोध और हिंसा की घटनाएं सामने आ रही हैं। वार्ड संख्या 22 में हुए कांटे के मुकाबले में निर्दलीय उम्मीदवार नितेश ऐंकर ने भाजपा के उम्मीदवार श्याम अग्रवाल को महज 21 वोटों के करीबी अंतर से शिकस्त दी। इस हार ने समर्थकों के बीच तनाव पैदा कर दिया है। आरोप है कि चुनावी हार का गुस्सा उन कार्यकर्ताओं और नागरिकों पर निकाला जा रहा है जिन्होंने विपक्षी उम्मीदवार का समर्थन किया था, जिससे शहर के कुछ इलाकों में डर का माहौल बना हुआ है।

कुशाग्रा अग्रवाल और साथियों पर मामला दर्ज

पीड़ित प्रभाकर प्रजापति द्वारा देर रात दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर भिवंडी शहर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने कुशाग्रा अग्रवाल और तीन अन्य आरोपियों के खिलाफ विभिन्न आपराधिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस प्रशासन अब आरोपियों की तलाश में जुटा है और चुनाव के बाद बढ़ते इस तनाव को नियंत्रित करने के प्रयास कर रहे हैं। इस घटना ने एक बार फिर चुनावी प्रक्रिया के बाद कार्यकर्ताओं की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घर में घुसकर जानलेवा हमला

ऐसी ही एक हिंसक घटना शनिवार (17 जनवरी) दोपहर करीब 1:30 बजे फेनेपाड़ा इलाके में घटी। पुलिस जानकारी के अनुसार, पराजित उम्मीदवार श्याम अग्रवाल के बेटे कुशाग्रा अग्रवाल ने अपने सहयोगियों प्रवीण पाटिल और संतोष यादव के साथ मिलकर स्थानीय निवासी प्रभाकर रविशंकर प्रजापति के घर में जबरन प्रवेश किया। निर्दलीय उम्मीदवार नितेश ऐंकर के लिए प्रचार करने से नाराज होकर इन लोगों ने प्रभाकर के साथ गाली-गलौज की और उन पर जमकर हमला कर उन्हें घायल कर दिया। आरोपियों ने पीड़ित को ₹उठा ले जाने₹ की धमकी भी दी, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है।

पार्षदों के 'दल-बदल' पर हाईकोर्ट ने लगाया 'ब्रेक'

डीबीडी संवाददाता | अंबरनाथ/मुंबई

महाराष्ट्र की स्थानीय राजनीति में दलबदल और गठबंधन के गिरगिटिया स्वरूप पर बॉम्बे हाई कोर्ट ने बेहद सख्त और व्यंग्यात्मक रुख अपनाया है। अंबरनाथ नगर परिषद में सत्ता हथियाने के लिए एनसीपी (NCP) पार्षदों द्वारा बार-बार पाला बदलने को अदालत ने "विश्व भ्रमण" (World Tour) की संज्ञा दी है। न्यायमूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति अभय मंत्री की खंडपीठ ने ठाणे कलेक्टर द्वारा जारी किए गए विवादित आदेशों पर रोक लगाते हुए स्पष्ट किया कि लोकतांत्रिक संस्थाओं में निष्ठा का मजाक नहीं उड़ाया जा सकता।

हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी

सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने एनसीपी के उन 4 सदस्यों के आचरण पर चुटकी ली, जो कुछ ही घंटों के भीतर एक गुट से दूसरे गुट में शामिल हो रहे थे। अदालत ने कहा कि आज ये सदस्य एक गुट के साथ हैं, कल किसी और के साथ थे और कल संभवतः किसी तीसरे के साथ हो सकते हैं। कोर्ट की इस टिप्पणी ने महाराष्ट्र की वर्तमान राजनीति में व्याप्त 'अवसरवाद' और विचारधारा से शून्य गठबंधनों की हकीकत को उजागर कर दिया है।

सभी पक्षों को सुनवाई का समान अवसर

बॉम्बे हाई कोर्ट ने अब गेंद वापस ठाणे कलेक्टर के पाले में डाल दी है। अदालत के निर्देशानुसार, कलेक्टर को अब भाजपा, कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना—इन चारों पक्षों को बुलाकर उनकी दलीलें सुननी होंगी। कोर्ट ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुँचने से पहले सभी पक्षों को अपनी बात रखने का समान और न्यायपूर्ण अवसर मिलना चाहिए।

कैसे शुरू हुआ विवाद

60 सदस्यीय अंबरनाथ नगर परिषद के चुनाव के बाद गठबंधन का एक अजीबोगरीब समीकरण सामने आया था। शिवसेना 27 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन उसे सत्ता से बाहर रखने के लिए धुर विरोधी भाजपा (14), कांग्रेस (12) और राकांपा (4) ने मिलकर 'अंबरनाथ विकास आघाडी' (AVA) बना ली थी। राज्य स्तर पर सहयोग करने वाली भाजपा का स्थानीय स्तर पर कांग्रेस के साथ हाथ मिलाना इस विवाद की जड़ बना। तब शुरू हुआ जब ठाणे कलेक्टर ने 7 जनवरी को एवीए (AVA) को गठबंधन के रूप में मान्यता दी, लेकिन महज दो दिन बाद 9 जनवरी को उसी मान्यता को रद्द कर शिवसेना और पाला बदलकर आए एनसीपी सदस्यों के नए गठजोड़ को मान्यता दे दी। एवीए ने कलेक्टर के इस 'यू-टर्न' को हाई कोर्ट में चुनौती दी, जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने कलेक्टर की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

28 जनवरी तक देनी होगी लिखित दलीलें

अदालत ने समय सीमा तय करते हुए आदेश दिया है कि सभी संबंधित पक्ष 28 जनवरी 2026 तक अपनी लिखित दलीलें कलेक्टर के समक्ष पेश करेंगे। इसके बाद कलेक्टर को 21 दिनों के भीतर गहन विचार-विमर्श कर एक नया और स्पष्ट आदेश पारित करना होगा।

कांग्रेस ने किया नवनिर्वाचित नगरसेवकों का सम्मान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महानगरपालिका चुनाव के नतीजों के बाद, कांग्रेस पार्टी ने अपने विजयी उम्मीदवारों का उत्साहवर्धन करने के लिए एक विशेष समारोह का आयोजन किया। इस चुनाव में प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन आघाड़ी (VBA) के साथ गठबंधन कर उतरी कांग्रेस के 24 नगरसेवक जीतकर आए हैं। सोमवार को मुंबई कांग्रेस कार्यालय में सांसद और मुंबई अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ की मौजूदगी में इन सभी नवनिर्वाचित पार्षदों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायक असलम शेख, अमीन पटेल और प्रवक्ता सुरेशचंद्र राजहंस सहित पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

मुंबई के बुनियादी मुद्दों पर संघर्ष

समारोह को संबोधित करते हुए वर्षा गायकवाड़ ने स्पष्ट किया कि भले ही सदन में कांग्रेस के नगरसेवकों की संख्या कम हो, लेकिन वे मुंबईवासियों की समस्याओं को पूरी मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का मुख्य लक्ष्य शहर को बेहतर सड़कें, स्वच्छ पेयजल, ट्रैफिक जाम से मुक्ति और 'बेस्ट' बस की बेहतर सुविधाएं दिलाना है। गायकवाड़ ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का संकल्प लेते हुए कहा कि पार्टी विभिन्न सरकारी संस्थाओं के निजीकरण के प्रयासों का डटकर विरोध करेगी और सार्वजनिक संसाधनों को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

वर्षा गायकवाड़ का सत्ताधारियों पर तीखा प्रहार

चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए गायकवाड़ ने आरोप लगाया कि इस बार सत्ता और धन का जमकर दुरुपयोग किया गया। उन्होंने कहा कि विपक्षी उम्मीदवारों को धमकाया गया और सरकारी मशीनरी ने सत्ताधारी दल के पक्ष में काम किया, फिर भी जनता ने अपने मत की ताकत दिखाई। भाजपा पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस में लोकतंत्र है, इसलिए उनके नगरसेवकों को किसी होटल में बंद करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। उन्होंने अपने 24 नगरसेवकों की तुलना '24 कैरेट सोने' से करते हुए उन्हें जनता के प्रति ईमानदार रहने का निर्देश दिया।

नेतृत्व और आंतरिक चर्चा पर दिया जोर

राजनीतिक चर्चाओं के बीच, वर्षा गायकवाड़ ने अपने पद और पार्टी के आंतरिक मामलों पर भी महत्वपूर्ण टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी व्यक्तिगत रूप से पद की लालसा नहीं की और जब भी पार्टी आलाकमान उनसे इस्तीफा मांगेगा, वे इसके लिए तैयार हैं। उन्होंने पार्टी के भीतर अनुशासन पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी असहमति या मसले पर पार्टी के भीतर चर्चा होनी चाहिए, न कि सार्वजनिक रूप से।

हवाई अड्डे पर रोके गए डॉ. संग्राम पाटिल

'लुकआउट सर्कुलर' पर बढ़ा विवाद

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मशहूर यूट्यूबर डॉ. संग्राम पाटिल ने सोमवार को दावा किया कि मुंबई पुलिस द्वारा उनके खिलाफ जारी किया गया लुकआउट सर्कुलर (LOC) अब भी प्रभावी है, जिसके कारण उन्हें मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आव्रजन अधिकारियों द्वारा रोक लिया गया। ब्रिटिश नागरिक डॉ. पाटिल उस समय मुश्किल में पड़ गए जब वे ब्रिटेन लौटने की तैयारी में थे। उनके अनुसार, पुलिस ने इस सर्कुलर को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू करने का आश्वासन दिया था और इसके लिए उनके हस्ताक्षर व पासपोर्ट फोटो भी लिए थे, लेकिन ऐन मौके पर इसे रद्द न किए जाने से उनकी यात्रा बाधित हो गई।

क्या है मामला?

डॉ. पाटिल के खिलाफ यह कानूनी कार्रवाई पिछले साल दिसंबर में एनएम जोशी मार्ग पुलिस थाने में दर्ज एक मामले के बाद शुरू हुई। भाजपा मीडिया प्रकोष्ठ के पदाधिकारी निखिल भामरे की शिकायत पर यह मामला दर्ज किया गया था। भामरे का आरोप है कि डॉ. पाटिल ने भारतीय जनता पार्टी के बारे में भ्रामक जानकारी फैलाई और पार्टी के शीर्ष नेताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कीं। इसी साइबर अपराध के सिलसिले में मुंबई पुलिस की अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) मामले की गहराई से जांच कर रही है।

बीएनएसएस (BNSS) की धारा 35(3) का नोटिस

मामले की गंभीरता को देखते हुए मुंबई पुलिस ने 10 जनवरी को डॉ. पाटिल को हिरासत में लिया था। हालांकि, उस समय उन्हें गिरफ्तार करने के बजाय भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) की धारा 35(3) के तहत नोटिस जारी किया गया था। यह धारा पुलिस को उन मामलों में आरोपी को गिरफ्तार करने के बजाय नोटिस जारी करने की अनुमति देती है जहाँ संभावित सजा की अवधि कम होती है। डॉ. पाटिल का दावा है कि उन्होंने 16 जनवरी को अपराध शाखा की इकाई तीन के सामने पेश होकर सभी सवालों के लिखित जवाब भी जमा कर दिए थे। डॉ. पाटिल ने पुलिस की इस कार्रवाई पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि जांच में पूर्ण सहयोग करने के बावजूद उन्हें देश छोड़ने से रोका जा रहा है।

यशवंत किल्लेदार बने मनसे के गटनेता

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका (BMC) में सत्ता के समीकरण साधने के लिए सभी दलों ने अपनी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) प्रमुख राज ठाकरे ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए यशवंत किल्लेदार को बीएमसी में मनसे का गटनेता नियुक्त किया है। राज ठाकरे के आवास 'शिवतीर्थ' पर हुई इस बैठक में नवनिर्वाचित नगरसेवकों के साथ-साथ बाला नांदगांवकर, अविनाश अभ्यंकर और नितिन सरदेसाई जैसे वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे। सदन में मनसे के कुल 6 नगरसेवक अब किल्लेदार के नेतृत्व में अपनी रणनीतियों को धार देंगे।

नेतृत्व का भरोसा और किल्लेदार की ऐतिहासिक जीत

यशवंत किल्लेदार ने इस चुनाव में प्रभाग क्रमांक 192 (शिवसेना भवन क्षेत्र) जैसे महत्वपूर्ण वार्ड से बड़ी जीत दर्ज की है। उन्होंने शिवसेना (UBT) की उम्मीदवार प्रीति पाटणकर को 1,425 मतों के अंतर से शिकस्त देकर अपनी राजनीतिक क्षमता साबित की थी। गटनेता चुने जाने के बाद मीडिया से बात करते हुए किल्लेदार ने कहा कि पार्टी ने उनकी नियुक्ति के लिए किसी हलफनामे (Affidavit) की आवश्यकता नहीं समझी, जो नेतृत्व के उन पर अटूट विश्वास को दर्शाता है।

नाम परिवर्तन

मैं बृजेश शुक्ला सन ऑफ़ शिवा शंकर शुक्ला। मेरा पासपोर्ट नंबर J 9657542 (पुराना नाम) 555 रूम नंबर 56 चमेली वाडी एन एम जोशी मार्ग बी एम सी ऑफिस चिंचपोकली मुंबई जेकब सर्कल मुंबई महाराष्ट्र 400011 मैंने अपना नाम बदल लिया है। अब मेरा नाम बृजेश शिव शंकर शुक्ला पिता सन ऑफ शिव शंकर शुक्ला (नया नाम) है, जैसा कि दस्तावेजों के अनुसार है।

मध्य रेल

खुली निविदा सूचना

खुली निविदा सूचना सं. BB.LD.583. P.Rev. 25/18.ContR1 दिनांक 14-01-2026. **विषय** : निविदा क्रमांकः BB.LD.583. P.Rev. 25/18. ContR1, **क्रमांक** : 1. **कार्य का नाम** : मुंबई डिवीजन के पनवेल क्षेत्र में ओ.एच.ई./पी.एस.आई. संरचनाओं की पेंटिंग एवं सफाई। **2. अनुमानित लागत ₹** : 76,91,258/-, **3. बिड सिक्योरिटी ₹** : 1,53,800/-, **4. ऑफर की वैधता** : 60 दिन, **5. समापन अवधि** : 24 महीने, **6. निविदा फार्म का मूल्य ₹** : 0, (I) उक्त निविदा का, निविदा बंद करने की तारीख और समय : दिनांक 05-02-2026 को 11:00 बजे तक और 11:00 बजे के बाद खोला जाएगा। (II) शुद्धिपत्र के विवरण हेतु अग्रदर्शी निविदाओं के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर भेट देने का अनुरोध है। (III) केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से उपर्युक्त इलेक्ट्रॉनिकलि ई-टेन्डर में निविदाधारक सहभाग ले सकते है और ई-टेन्डर के अलावा हस्तचलित प्रस्तुत करने का निवेदन, देने की अनुमति नहीं है। हस्तचलित रूप से, यदि निविदा खुलने के बाद की प्रस्तुति का विचार नहीं किया जाएगा। (IV) निविदा दस्तावेज में दिए गए विवरण के अनुसार बिड सिक्योरिटी का भुगतान किया जाना चाहिए। (V) अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क : वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्सभवन, सीएसएमटी मुंबई-400001। फोन - 022-22612355. निविदाओं संबंधी संपूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी संपूर्ण विवरण वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्सभवन सीएसएमटी मुंबई-400001 के "नोटिस बोर्ड" पर भी उपलब्ध है। **834**

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

अशरफ आजमी संभालेंगे बीएमसी की कमान

बीएमसी में नियुक्त किया पार्टी का नेता

मुंबई। मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनावों में मिली करारी शिकस्त के बाद कांग्रेस पार्टी ने संगठन में बड़े फेरबदल की शुरुआत कर दी है। पार्टी ने कुर्ला से तीन बार के अनुभवी पार्षद अशरफ आजमी को बीएमसी में कांग्रेस का गट नेता नियुक्त किया है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि इस कठिन दौर में एक ऐसे चेहरे की जरूरत है जिसे नगर निगम की कार्यप्रणाली की गहरी समझ हो। अशरफ आजमी की नियुक्ति का मुख्य उद्देश्य सदन में कांग्रेस की खोई हुई गरिमा को वापस लाना और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं में नए उत्साह का संचार करना है। कांग्रेस विधायक अमीन पटेल के अनुसार, अशरफ आजमी का लंबा अनुभव पार्टी के लिए 'एसेट' साबित होगा। आजमी न केवल अपने

क्षेत्र में मजबूत पकड़ रखते हैं, बल्कि बीएमसी के जटिल नियमों और बजट प्रक्रियाओं के भी विशेषज्ञ माने जाते हैं। पार्टी का विजन अब अनुभवी हाथों में कमान सौंपकर नगर निगम के भीतर सत्तापक्ष को घेरने और जनहित के मुद्दों पर विपक्ष की आवाज को अधिक मुखर बनाने का है। यह नियुक्ति दर्शाती है कि कांग्रेस अब 'प्रयोग' के बजाय 'अनुभव' को प्राथमिकता दे रही है।

हाहालिया की बारीकी से समीक्षा और 'फ्यूचर लीडर्स' पर फोकस

हाहालिया नतीजों के बाद कांग्रेस कार्यालय में एक महत्वपूर्ण मंथन बैठक आयोजित की गई, जिसमें उन उम्मीदवारों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया जो बहुत ही कम अंतर से चुनाव हार गए थे। अमीन पटेल ने स्पष्ट किया कि भले ही ये प्रत्याशी चुनाव नहीं जीत सके, लेकिन वार्ड स्तर पर उनकी पकड़ मजबूत है। पार्टी का लक्ष्य अब इन हारने वाले प्रत्याशियों के समूह से ही भविष्य के नेतृत्व को तैयार करना है। आगामी रणनीतियों के तहत, वार्ड स्तर पर संगठन को पुनर्जीवित करने के लिए इन नेताओं को विशेष जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी।

यह दौर मुंबई कांग्रेस के लिए ऐतिहासिक रूप से सबसे चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। 227 सदस्यीय सदन में पार्टी महज 24 सीटों पर सिमट गई है, जो बीएमसी के इतिहास में उसका अब तक का सबसे कमजोर प्रदर्शन है। वर्तमान समीकरणों में भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना (29 सीटें) के साथ मिलकर सत्ता की राह पर है। वहीं, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) 65 सीटों के साथ एक मजबूत विपक्षी भूमिका में है। ऐसे में 24 पार्षदों के साथ अशरफ आजमी के लिए सदन में कांग्रेस की प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराना किसी बड़ी अग्निपरीक्षा से कम नहीं होगा।

राज्य सरकार के महालैब्स से करोड़ों को मिला मुफ्त डायग्नोस्टिक लाभ

मुंबई। राष्ट्रीय निःशुल्क प्रयोगशाला निदान सेवा योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र में संचालित 'महालैब्स' कार्यक्रम सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम साबित हुआ है। इस योजना के माध्यम से प्रदेश के 3,500 से अधिक सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर मरीजों को साधारण से लेकर जटिल जांचें पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही हैं। अब तक इस योजना का लाभ 7.6 करोड़ से अधिक मरीज उठा चुके हैं, और प्रतिदिन औसतन 45,000 लोग इन सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। इस पहल ने न केवल गरीबों का आर्थिक बोझ कम किया है, बल्कि समय पर सटीक निदान सुनिश्चित कर लाखों लोगों की जान बचाने में भी मदद की है।

महालैब्स केवल बुनियादी जांचों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहाँ हिस्टोपैथोलॉजी, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी (RT-PCR), माइक्रोबायोलॉजी और नवजातों की स्क्रीनिंग जैसी विशेष सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, महालैब्स की प्रयोगशालाएं सिकल सेल एनीमिया (Hb Electrophoresis), वायरल लोड टेस्टिंग और हेमेटोलॉजी के क्षेत्र में पूरे भारत में सबसे अधिक जांच करने वाले केंद्रों में शामिल हो गई हैं। अत्याधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञों की मौजूदगी के कारण अब जटिल बीमारियों की पहचान के लिए मरीजों को निजी लैबों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है।

पश्चिम रेलवे

वार्षिक मरम्मत अनुबंध कार्य

वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (CO), दूसरी मंज़िल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल, मुंबई - 400008 किए जाते हैं: **ई-टेंडर सूचना संख्या: SG-623-1806-WA-R1 दिनांक: 14.01.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम:** चर्चगेट-विरार खंड में स्थापित विभिन्न प्रकार के दोषपूर्ण IP CA उपकरणों (मार्वल मेक) के लिए 03 वर्षों की अवधि हेतु वार्षिक मरम्मत अनुबंध (ARC)। **कार्य की अनुमानित लागत:** 15,81,200/- **बोली सुरक्षा (EMD):** 31,600/- **बोली जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 05.02.2026 तक, अपराह्न 15:00 बजे **बोली खोलने की तिथि एवं समय:** 05.02.2026 को, अपराह्न 15:30 बजे अधिक जानकारी के लिए: कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें। **1024**

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल

(महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण की एक क्षेत्रीय इकाई)

म्हाडा MHADA

दूरध्वनी क्र.:022-66405432 ई-मेल: eewest.msib@mhada.gov.in

संदर्भ क्रमांकः EE/West/MSIB/e-Tender/249/2025-26

ई-निविदा सूचना क्रमांक 249

कार्यकारी अभियंता (पश्चिम) विभाग, मुंबई स्लम सुधार मंडल (MHADA की इकाई), कक्ष क्रमांक 537, चौथा मजला, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051 दूरभाषः (022) 66405432 द्वारा 23 (तेईस) कार्यों के लिए B-1 (प्रतिशत दर) प्रारूप में खुली / नियमित ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। ये निविदाएँ उन ठेकेदारों से आमंत्रित हैं जो PWD / MHADA / CPWD / CIDCO / MES / MJP / MIDC / भारतीय रेल / BPT / MCGM अथवा किसी अन्य सरकारी / अर्ध-सरकारी संस्था में संबंधित उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत हों। निविदा प्रक्रिया ऑनलाइन ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से की जाएगी। विस्तृत निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र शासन के पोर्टल https://mahatenders.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते हैं। बोली दस्तावेज उसी वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे।

क्र.	चरण विवरण	समय अवधि की तिथि	क्र.	चरण विवरण	समय अवधि की तिथि
1)	दस्तावेजों की बिक्री प्रारंभ	22/01/2026 प्रातः 10:30 बजे	2)	दस्तावेजों की बिक्री समाप्ति	29/01/2026 अपराह्न 3:00 बजे
3)	तकनीकी बोली खोलना	30/01/2026 अपराह्न 3:05 बजे से	4)	मूल्य बोली खुलने की तिथि	02/02/2026 प्रातः 10:30 बजे से

सक्षम प्राधिकारी बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। सशर्त प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएँगे।

नोटः 1 कृपया वेबसाइट पर विस्तृत निविदा सूचना देखें।

नोटः 2 यदि कोई शुद्धिपत्र/संशोधन हो, तो उसे केवल वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जा सकता है।

Follow us: @mhadaofficial

सीपीआरओ/ए/05

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (प.),
एम.एस.आई.बी. बोर्ड, मुंबई

म्हाडा-राष्ट्र में अग्रणी आवास प्राधिकरण

पब्लिक नोटीस

एतव्दारा सूचना दी जाती ही कि, मेरे मूवक्कील **श्री. हरि शंकरन नायर व गणपतेय नायर दोघे** रा. बी-३०२, राधा माधव, राधा रेसिडेन्सी, सिद्धार्थ नगर मुंबई यह निम्नलिखित संपत्ती नीचे लिखित अनुसूची में वर्णित संपत्ति खरीदना चाहते है.

इसलिये नीचे लिखित अनुसूची में वर्णित संपत्ति के बिक्री, हस्तांतरण, विनिमय, पट्टा, उप-पट्टा, समनुदेशन, गिरवी के माध्यम से और या उसके किसी भाग के संबंध में कोई अधिकार, शीर्षक, लाभ, ब्याज, शेअर, दावा या मांग रखने वाले सभी व्यक्ति प्रभार, ग्रहणाधिकार, विरासत, वसीयत, उत्तराधिकार, उपहार, रखरखाव, सुखभोग, ट्रस्ट, किरायेदार, छुट्टी और लाईसेंस, देखभाल करनेवाला आधार, व्यवसाय, कब्जा, पारिवारिक व्यवस्था/निपटान, किसी भी न्यायालय का आदेश, अनुबंधो/समझौतो, या अन्यथा जो भी हो, के लिये दस्तावेजी साक्ष्य के साथ लिखित रूप मे इसकि जानकारी अधोहस्ताक्षरी को तारीख से 14 दिनों के भीतर देनी होती है, ऐसा न करने पर ऐसे दावे, यदि कोई हो, को माफ कर दिया गया माना जाएगा.

संपत्ति की अनुसूची मौजे शिरवली, तालुका-मुरबाड, जि. ठाणे

मालीक का नाम	सर्व्हे नं.	क्षेत्र हे-आर-प्रती	पो.ख. हे-आर-प्रती	आकार रु-पैसे
श्री. गजानन विठ्ठल विशे	110/1	कुल क्षेत्रफल 1-34-9 इन बिक्री क्षेत्रों में से 0-30-0	0-17-9	8=38
श्री. दिलीप बाबू साटपे	111/2	0-09-0	0-00-0	0=12
श्री. दिलीप बाबू साटपे	113	0-59-0	0-00-0	2=00
श्री. सुधीर अनंत भवार	113	0-20-0	0-00-0	0=68

मुरबाड दि. २०/०१/२०२६
पत्ता- मु.पो. शिवळे, ता. मुरबाड, जि.ठाणे

सही/-
ॲड.प्रियंका बी. पवार/झंजारराव
फोन-९१३७४२२८४२

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सहायक आयुक्त, 'डी' विभाग का कार्यालय, जोबनपुत्र कंपाउंड, नानाचौक, ग्रांट रोड, मुंबई - 400 007

क्रमांकः स.आ.डी./ 969 / सहा.अभि./ घ.क.व्य./ डी दिनांकः 19/01/2026

रुचि अभिव्यक्ति (EOI)

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के सहायक अभियंता (एसडब्ल्यूएम), 'डी' प्रभाग का कार्यालय, जोबनपुत्रा कंपाउंड, नाना चौक, मुंबई - 400007, निम्नलिखित कार्य हेतु मोम-सीलबंद रुचि अभिव्यक्ति (EOI) आमंत्रित करता है। कार्य का नामः डी-प्रभाग अंतर्गत कोस्टल रोड (प्रिंसेस स्ट्रीट से हाजी अली) प्रोमेनेड, सायकल ट्रैक तथा भूमिगत सब-वे की सफाई हेतु एनजीओ श्रमिकों की व्यवस्था करना।

EOI प्रपत्रों की उपलब्धता रिक्त EOI प्रपत्र सहायक अभियंता (एसडब्ल्यूएम), डी-प्रभाग के कार्यालय से किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 20.01.2026 से 27.01.2026 तक समयः प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक उपलब्ध रहेंगे। EOI प्रपत्र शुल्कः 1,714/- (1,452/- + 18% जीएसटी) — ड्राफ्ट कोटेशन हेतु। EOI जमा करने की अंतिम तिथि मोम-सीलबंद EOI प्रपत्र दिनांक 27.01.2026 को दोपहर 1.00 बजे तक सहायक अभियंता (एसडब्ल्यूएम), डी-प्रभाग के कार्यालय में जमा किए जाने चाहिए। EOI खोलने की तिथि व समय सभी प्राप्त EOI उसी दिनांक 27.01.2026 को अपराह्न 1.00 बजे खोली जाएंगी।वरीयता डी-प्रभाग में सफाई कार्य का अनुभव रखने वाले एनजीओ को प्राथमिकता दी जाएगी। महत्वपूर्ण सूचना EOI दस्तावेज़ डाक द्वारा नहीं भेजे जाएंगे।

पीआरओ/2686/विज्ञा./2025-26

हस्ता/-
सहायक अभियंता (एसडब्ल्यूएम)
डी-प्रभाग

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

भारत–यूएई भरोसे की नई ऊंचाई

भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच आज जो गहराई, आत्मीयता और रणनीतिक स्पष्टता दिखाई देती है, वह भारतीय विदेश नीति के पिछले पचास वर्षों के सफर से तुलना करने पर एक बड़े बदलाव को रेखांकित करती है। शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान की हालिया भारत यात्रा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रोटोकॉल से हटकर स्वयं हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करना केवल शिष्टाचार नहीं, बल्कि उस सोच का प्रतीक है जिसने भारत की विदेश नीति को पारंपरिक सीमाओं से बाहर निकाला है। पिछले पांच दशकों तक भारत की पश्चिम एशिया नीति मुख्यतः तीन बिंदुओं पर केंद्रित रही—ऊर्जा सुरक्षा, खाड़ी देशों में कार्यरत भारतीय श्रमिकों का कल्याण और फिलिस्तीन मुद्दे पर नैतिक समर्थन। 1970 और 1980 के दशक में गुटनिरपेक्ष आंदोलन के प्रभाव में भारत ने इस क्षेत्र में अत्यधिक संतुलन और दूरी बनाए रखी। यूएई जैसे देशों के साथ संबंध औपचारिक और उपयोगितावादी रहे, पर उनमें रणनीतिक विश्वास का अभाव था। भारत उस समय क्षेत्रीय सुरक्षा या भू-राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने की स्थिति में नहीं था। 1990 के दशक में आर्थिक उदारीकरण के बाद व्यापार और निवेश बढ़े, प्रवासी भारतीयों की भूमिका मजबूत हुई, लेकिन विदेश नीति अब भी सतर्कता की चादर में लिपटी रही। खाड़ी देशों के साथ संबंधों में 'कोई जोखिम नहीं' वाली नीति हावी रही। रक्षा सहयोग, समुद्री सुरक्षा या दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी जैसे विषय प्राथमिकता में नहीं आ पाए। यूएई के लिए भारत तब भी एक महत्वपूर्ण आर्थिक साझेदार था, पर अनिवार्य रणनीतिक सहयोगी नहीं। पिछले एक दशक में यह तस्वीर निर्णायक रूप से बदली है। नरेन्द्र मोदी सरकार के दौर में भारतीय विदेश नीति अधिक आत्मविश्वासी, सक्रिय और परिणामोन्मुखी हुई है। यूएई के साथ संबंधों को केवल तेल, व्यापार और श्रमिकों तक सीमित न रखकर सुरक्षा, निवेश और रणनीतिक स्थिरता के आयाम दिए गए। यही कारण है कि आज यूएई भारत को हिंद महासागर क्षेत्र में स्थिरता और संतुलन की शक्ति के रूप में देखता है। प्रधानमंत्री द्वारा एयरपोर्ट पर स्वागत करना इस बदले हुए रिश्ते का दृश्य प्रतीक है, जो पिछले पचास वर्षों की औपचारिक कूटनीति में दुर्लभ रहा है। क्षेत्रीय परिदृश्य भी इस बदलाव को मजबूती देता है। गाजा संकट, लाल सागर में असुरक्षा, ईरान-अमेरिका तनाव और खाड़ी देशों के आपसी मतभेदों के बीच यूएई को ऐसे साझेदार की जरूरत है जो स्थिर, भरोसेमंद और संतुलित हो। भारत, जो पहले इन टकरावों से दूरी बनाए रखता था, आज अपनी नौसैनिक क्षमता, स्वतंत्र कूटनीति और वैश्विक स्वीकार्यता के कारण स्वाभाविक विकल्प बनकर उभरा है। यह बदलाव केवल नीति का नहीं, मानसिकता का भी है। आर्थिक मोर्चे पर भी तुलना स्पष्ट है। पिछले दशकों में भारत–यूएई आर्थिक संबंध मुख्यतः तेल आयात और रेमिटेंस तक सीमित थे। आज सीईपीए के बाद द्विपक्षीय व्यापार, रक्षा उत्पादन, ग्रीन हाइड्रोजन, अक्षय ऊर्जा और उच्च तकनीक निवेश जैसे क्षेत्रों में साझेदारी बढ़ रही है। यूएई की पूंजी और भारत के बाजार व मानव संसाधन का मेल दोनों देशों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में मजबूत स्थान दिला रहा है।

निष्कर्षतः भारत–यूएई संबंधों की यह नई ऊंचाई पिछले 50 वर्षों की सतर्क, सीमित और प्रतिक्रियात्मक विदेश नीति से स्पष्ट विच्छेद को दर्शाती है। भारत अब केवल परिस्थितियों के अनुसार चलने वाला देश नहीं, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक समीकरणों को प्रभावित करने वाला रणनीतिक साझेदार बन चुका है। यही इस यात्रा का असली संदेश है और यही भारतीय विदेश नीति के नए युग की पहचान भी।

कागज़ की बढ़ती मांग

घरेलू उद्योग की घटती पकड़

मुनीब चौरसिया
युवा पत्रकार हैं, मुंबई में निवास

डिजिटल दौर में यह मान लिया गया था कि कागज़ का महत्व धीरे-धीरे खत्म हो जाएगा। ई-मेल, मोबाइल, टैबलेट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के युग में कागज़ को बीते समय की चीज़ समझ लिया गया। लेकिन ज़मीनी सच्चाई यह है कि कागज़ आज भी अर्थव्यवस्था की रीढ़ बना हुआ है। शिक्षा, पैकेजिंग, ई-कॉमर्स, हाइजीन, सरकारी कामकाज और उद्योग — हर क्षेत्र में कागज़ की मांग लगातार बनी हुई है। इसके बावजूद भारतीय पेपर इंडस्ट्री आज गंभीर दबाव में है और यह दबाव बाजार का नहीं, बल्कि नीतियों और आयात का है। भारत में वर्ष 2024-25 में कागज़ और पेपरबोर्ड की खपत लगभग 24 मिलियन टन तक पहुंच चुकी है। अनुमान है कि आने वाले वर्षों में यह मांग और बढ़ेगी। उद्योग ने भी इसे देखते हुए उत्पादन क्षमता बढ़ाने की तैयारी की है और 2030 तक 32 मिलियन टन क्षमता का लक्ष्य रखा गया है। कागज़ की यह बढ़ती मांग संकेत देती है कि उद्योग के पास अवसरों की कमी नहीं है। फिर भी घरेलू मिलें घाटे, बंदी और आधी क्षमता पर चलने को मजबूर हैं। इस विरोधाभास की सबसे बड़ी वजह आयात है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने 20.5 लाख टन से अधिक कागज़ और पेपरबोर्ड का आयात किया, जिसकी कीमत करीब 15 हजार करोड़ रुपये रही। यह आयात पिछले चार वर्षों में लगभग दोगुना हो चुका है। चीन और आसियान देशों से आने वाला सस्ता कागज़ भारतीय बाजार में इस तरह भर गया है कि घरेलू उत्पादकों के लिए प्रतिस्पर्धा करना कठिन होता जा रहा है। सवाल यह है कि जब देश में मांग मौजूद है, तो उसी मांग का लाभ विदेशी उद्योग क्यों उठा रहा है। देश में कागज़ की लगभग 800 से 900 मिलें दर्ज हैं, लेकिन इनमें से केवल 550 के आसपास ही नियमित रूप से संचालित हो रही हैं। शेष मिलें या तो बंद पड़ी हैं या बहुत कम क्षमता पर चल रही हैं। इसका सीधा असर रोजगार पर पड़ रहा है। पेपर इंडस्ट्री लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार देती है, लेकिन आयात के दबाव ने इस रोजगार श्रृंखला को कमजोर कर दिया है। घरेलू उद्योग की मुश्किलें केवल आयात तक सीमित नहीं हैं। कच्चे माल की कमी एक बड़ी समस्या है। पल्प वुड, रीसाइक्ल्ड फाइबर और कागज़ कचरे की उपलब्धता सीमित है, जबकि उत्पादन लागत लगातार बढ़ रही है। बिजली, पानी, श्रम और पर्यावरण अनुपालन की लागत भारतीय मिलों के लिए चुनौती बन चुकी है। दूसरी ओर विदेशी उत्पादक सरकारी सब्सिडी और कम लागत के चलते सस्ता माल भारतीय बाजार में भेज पा रहे हैं। विडंबना यह है कि 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे नारों के बीच पेपर इंडस्ट्री खुद को असहाय महसूस कर रही है। नीतियों में संतुलन का अभाव साफ दिखाई देता है।

पर्यावरण संरक्षण जरूरी है, लेकिन जब घरेलू उद्योग पर सख्त मानक लागू हों और आयातित कागज़ उन्हीं मानकों से बचे रहे, तो प्रतिस्पर्धा असमान हो जाती है। पर्यावरण के नाम पर उद्योग को कमजोर करना समाधान नहीं हो सकता। पैकेजिंग सेक्टर ने जरूर पेपर इंडस्ट्री को कुछ राहत दी है। ई-कॉमर्स, खाद्य सामग्री, दवाइयों और उपभोक्ता वस्तुओं में कागज़ आधारित पैकेजिंग की मांग बढ़ी है। प्लास्टिक के विकल्प के रूप में कागज़ को प्रोत्साहन मिला है। इसके अलावा टिशू पेपर, नैपकिन और अन्य हाइजीनिक उत्पादों की खपत भी शहरी भारत में बढ़ी है। लेकिन यह राहत स्थायी नहीं कही जा सकती, क्योंकि इसी सेगमेंट में आयात धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। असल सवाल यह है कि क्या भारत केवल कागज़ का बड़ा उपभोक्ता बनकर रह जाएगा या एक मजबूत निर्माता भी बनेगा। यदि मौजूदा स्थिति जारी रही, तो देश की घरेलू पेपर इंडस्ट्री कमजोर होती जाएगी और बाजार विदेशी उत्पादों के भरोसे रह जाएगा। यह न केवल आर्थिक दृष्टि से नुकसानदेह है, बल्कि रणनीतिक रूप से भी सही नहीं है। उद्योग सरकार से किसी विशेष रियायत की नहीं, बल्कि समान अवसर की मांग कर रहा है। सस्ते और निम्न गुणवत्ता वाले आयात पर नियंत्रण, कच्चे माल की उपलब्धता बढ़ाने के उपाय, रीसाइक्लिंग को बढ़ावा और घरेलू मिलों के लिए नीतिगत समर्थन — ये ऐसे कदम हैं, जिनसे उद्योग को संजीवनी मिल सकती है। पेपर इंडस्ट्री आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां सही निर्णय इसे मजबूती दे सकते हैं और गलत अनदेखी इसे हाशिए पर धकेल सकती है। यह केवल कागज़ का सवाल नहीं है, बल्कि रोजगार, आत्मनिर्भरता और औद्योगिक संतुलन का प्रश्न है। अगर समय रहते संतुलित नीतियां नहीं बनीं, तो देश में कागज़ पर तो बहुत कुछ लिखा जाएगा, लेकिन कागज़ बनाने वाले ही पीछे छूट जाएंगे।

जीवन मंत्र

शिव का ध्यान हमें सिखाता है कि शांति बाहर नहीं, भीतर मिलती है। इसलिए शिव की उपासना केवल पूजा नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है—संयम, करुणा, साहस और आत्मबोध के साथ।

शिव : वैराग्य, करुणा और आत्मबोध के प्रेरणास्त्रोत

भगवान शिव केवल एक देवता नहीं, बल्कि जीवन को समझने की एक गहरी दृष्टि हैं। वे सृष्टि के संहारक कहलाते हैं, पर वास्तव में वे अहंकार, अज्ञान और विकारों के संहारक हैं। शिव का स्वरूप हमें सिखाता है कि सच्ची शक्ति बाहरी वैभव में नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन और संयम में निहित होती है। भस्म से विभूषित शिव बताते हैं कि यह संसार नश्वर है और अंततः सब कुछ भस्म हो जाना है। उनके गले में विराजमान नाग भय पर विजय और जीवन की विषमताओं को स्वीकार करने का संदेश देते हैं। मस्तक पर सुशोभित चंद्रमा यह सिखाता है कि शीतलता और सौम्यता को धारण कर ही जीवन के उतार–चढ़ाव को संतुलित किया जा सकता है। जटाओं से प्रवाहित गंगा करुणा और कल्याण की अविरल धारा का प्रतीक है, जो शिव की तपस्या से होकर ही संसार तक पहुंचती है। शिव का जीवन वैराग्य और गृहस्थी का अद्भुत समन्वय है। वे कैलास पर तपस्वी भी हैं और पार्वती के साथ आदर्श गृहस्थ भी। यह हमें प्रेरणा देता है कि संसार में रहते हुए भी आसक्ति से मुक्त रहा जा सकता है। शिव न तो ऐश्वर्य के मोह में बंधते हैं, न ही अपमान से विचलित होते हैं। विषपान कर उन्होंने यह सिद्ध किया कि दूसरों की पीड़ा को स्वयं पर लेना ही सच्चा महात्म्य है। शिव

का डमरू सृजन की लय का प्रतीक है, तो तांडव परिवर्तन का संदेश देता है। वे बताते हैं कि परिवर्तन से डरना नहीं चाहिए, क्योंकि सृजन और विनाश दोनों जीवन के आवश्यक अंग हैं। शिव का ध्यान हमें सिखाता है कि शांति बाहर नहीं, भीतर मिलती है। इसलिए शिव की उपासना केवल पूजा नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला है—संयम, करुणा, साहस और आत्मबोध के साथ। शिव हमें सिखाते हैं कि जो स्वयं को जीत लेता है, वही सच्चा महादेव है।

शख्सियत

एडविन "बज़" एल्ड्रिन

चंद्रमा पर उतरने वाले दूसरे इंसान

एडविन यूजीन एल्ड्रिन जूनियर, जिन्हें पूरी दुनिया "बज़" एल्ड्रिन के नाम से जानती है, मानव इतिहास के उन विरले व्यक्तित्वों में शामिल हैं जिन्होंने धरती की सीमाओं को लांघकर अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति को सार्थक किया।

एडविन यूजीन एल्ड्रिन का जन्म 20 जनवरी 1930 को मोंटक्लेयर, न्यू जर्सी (संयुक्त राज्य अमेरिका) में हुआ था। वे आज भी जीवित हैं और 21वीं सदी में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रेरक स्तंभ माने जाते हैं। बज़ एल्ड्रिन का बचपन अनुशासन और जिज्ञासा से भरा रहा। उनके पिता अमेरिकी वायुसेना में अधिकारी थे, जिससे उड़ान और अनुशासन दोनों उनके जीवन का हिस्सा बने। उन्होंने वेस्ट प्वाइंट मिलिट्री अकादमी से इंजीनियरिंग में शिक्षा प्राप्त की और उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ स्नातक बने। इसके बाद उन्होंने एमआईटी (मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी) से एयरोनॉटिक्स में डॉक्टरेट (पीएचडी) की उपाधि प्राप्त की। अंतरिक्ष यान की कक्षीय तकनीक पर उनका शोध आगे चलकर नासा के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ। एल्ड्रिन अमेरिकी वायुसेना में एक कुशल लड़ाकू पायलट रहे। कोरियाई युद्ध के दौरान उन्होंने कई युद्ध अभियानों में भाग लिया और साहस का परिचय दिया। लेकिन उनका असली योगदान तब सामने आया जब वे नासा के अंतरिक्ष कार्यक्रम से जुड़े। 1966 में जेमिनी-12 मिशन के माध्यम से उन्होंने अंतरिक्ष में सफल स्पेसवॉक कर यह सिद्ध किया कि मनुष्य शून्य गुरुत्व में भी प्रभावी ढंग से कार्य कर सकता है। मानव इतिहास का सबसे स्वर्णिम अध्याय 20 जुलाई 1969 को लिखा गया, जब अपोलो-11 मिशन के तहत नील आर्मस्ट्रॉन्ग और बज़ एल्ड्रिन चंद्रमा की सतह पर उतरे। नील आर्मस्ट्रॉन्ग पहले मानव थे जिन्होंने चंद्रमा पर कदम रखा, जबकि बज़ एल्ड्रिन दूसरे मानव बने। चंद्रमा की सतह पर उनके कदम केवल वैज्ञानिक उपलब्धि नहीं थे, बल्कि यह पूरे मानव समाज के साहस, संकल्प और वैज्ञानिक चेतना का प्रतीक थे। एल्ड्रिन ने वहां वैज्ञानिक प्रयोग किए, तस्वीरें लीं और पृथ्वी के लिए अमूल्य जानकारियां एकत्र कीं। चंद्र अभियान के बाद बज़ एल्ड्रिन का जीवन आसान नहीं रहा। अंतरिक्ष से लौटने के बाद वे मानसिक संघर्षों से गुजरे, अवसाद और अकेलेपन का सामना किया। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने खुले तौर पर अपने अनुभव साझा किए और यह संदेश दिया कि महान उपलब्धियों के बाद भी इंसान को मानसिक मजबूती की आवश्यकता होती है। उनका यह साहस लाखों लोगों के लिए प्रेरणा बना। एल्ड्रिन ने अंतरिक्ष विज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए कई पुस्तकें लिखीं और मंगल ग्रह पर मानव मिशन के प्रबल समर्थक रहे। वे मानते हैं कि मानव सभ्यता का भविष्य अंतरिक्ष में विस्तार से जुड़ा है। उनका जीवन यह दर्शाता है कि विज्ञान केवल प्रयोगशालाओं में नहीं, बल्कि साहसिक सोच और दूरदृष्टि में भी बसता है। आज बज़ एल्ड्रिन केवल एक अंतरिक्ष यात्री नहीं, बल्कि मानव संभावनाओं का प्रतीक हैं। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सीमाएं केवल मन में होती हैं। जन्म 20 जनवरी 1930 को हुआ यह साधारण बालक अपने संकल्प और परिश्रम से चंद्रमा तक पहुंचा और मानव इतिहास में अमर हो गया।

जीवन ऊर्जा

डेविड लिंच : जन्म 20 जनवरी 1946

जन्म

डेविड लिंच का जन्म 20 जनवरी 1946 को संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था। वे विश्व सिनेमा के सबसे मौलिक, साहसी और प्रयोगधर्मी फिल्मकारों में गिने जाते हैं। डेविड लिंच ने परंपरागत सोच से हटकर सिनेमा को सपनों, अवचेतन मन और रहस्य की एक नई भाषा दी। उनकी कृतियां दर्शकों को केवल देखने नहीं, बल्कि सोचने और भीतर झांकने के लिए प्रेरित करती हैं।

सपनों और मौन का सिनेमा

वे ध्यान और आंतरिक शांति के प्रबल समर्थक थे तथा मानते थे कि सृजनशीलता अंतर्मन की शांति से जन्म लेती है। 16 जनवरी 2025 को उनका निधन हुआ, किंतु उनकी रचनात्मक विरासत सदैव प्रेरणा देती रहेगी। रचनात्मकता तब जन्म लेती है, जब मन शांत होता है। सिनेमा सपनों की भाषा है, तर्क की नहीं। भीतर की दुनिया जितनी गहरी होती है, कला उतनी सशक्त बनती है। ध्यान मन को साफ करता है और विचारों को उड़ान देता है। डर से भागना नहीं, उसे समझना जरूरी है। महान विचार शोर में नहीं, मौन में आते हैं। कला का उद्देश्य जवाब देना नहीं, सवाल पैदा करना है। अवचेतन मन रचनात्मकता का सबसे बड़ा स्रोत है। सरलता के पीछे अक्सर गहरी जटिलता छुपी होती है। जो दिखाई देता है, वह हमेशा सत्य नहीं होता। कल्पना की कोई सीमा नहीं होती। रचनात्मक व्यक्ति अंधेरे से भी रोशनी निकाल लेता है। शांति के बिना सृजन संभव नहीं। कला वही है, जो भीतर कुछ हिला दे। हर इंसान के भीतर एक अलग दुनिया होती है। सपनों को समझना स्वयं को समझना है। मौन कई बार शब्दों से अधिक कहता है। सच्ची कला सहज नहीं, ईमानदार होती है। ध्यान आत्मा

की सफाई है। जो अलग सोचता है, वही नया रचता है। भय और सुंदरता एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कला आराम के लिए नहीं, जागरण के लिए होती है। भीतर उतरने से ही ऊंचाई मिलती है। रचनात्मकता आत्मा की स्वतंत्रता है। हर रहस्य डरावना नहीं होता। मन जितना स्थिर, विचार उतने स्पष्ट। कल्पना ही सिनेमा की आत्मा है। अंधकार को समझे बिना प्रकाश अधूरा है। सृजन आत्मा की भाषा है। जब मन शांत होता है, तब असंभव संभव बनता है।

अपने विचार

एकनाथ शिंदे ने ताज होटल को जेल बना दिया है। राउत ने कहा, 'जो कॉर्पोरेटर जीते हैं और उन्हें वहां रखा जा रहा है, उन्हें ताज होटल से रिहा किया जाना चाहिए। वे डर के कारण रखे गए हैं। बहुत से लोग हमारे संपर्क में हैं। मुंबई में बीजेपी का मेयर कौन चाहता है? खुद एकनाथ शिंदे भी यह नहीं चाहते।

-संजय राउत
सांसद,शिवसेना (यूबीटी)

हमारे नवनिर्वाचित पार्षद में होटल में हैं। हमने ही उन्हें यहां पर बुलाया है। हमने उनके लिए यहां पर वर्कशॉप का आयोजन किया है। यहां पर उन्हें इस बारे में जानकारी दी जाएगी कि नगर निगम कैसे काम करता है? म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन के रूल्स-रेगुलेशंस क्या हैं?

-शीतल म्हात्रे
शिवसेना प्रवक्ता

अब उनके लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने पार्टी को 72 से 42 पर पहुंचा दिया। लेकिन बिहार की जनता और पार्टी के समर्पित कार्यकर्ताओं ने नीतश कुमार को 42 से 85 पर पहुंचा दिया। 72 को 42 बनाने वाले के लिए कोई जगह नहीं है। वे यहां आकर क्या करेंगे।

-ललन सिंह
नेता, जेडीयू

अपने भाषण में जंगलराज और शाम पांच बजे का जिक्र करने वाले मुख्यमंत्री को बताना चाहिए यह कैसा सुशासन है। अपने क्षेत्र की बेटी को न्याय दिलाने के सबकुछ करूंगा। नहीं करने से अच्छा कि नेतागीरी छोड़कर खेती करूं और राजनीति से सन्यास ले लूं।

-सुरेंद्र यादव
सांसद, आरजेडी

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

पूजन-अनुष्ठान और सिर ढकने की कुप्रथा : शास्त्रीय दृष्टि

सनातन धर्म में पूजन, जप और मांगलिक कर्म केवल बाह्य क्रिया नहीं, बल्कि शुद्ध आचरण, संयम और विधि-निष्ठा का समन्वय हैं। शास्त्रों ने इन कर्मों के लिए स्पष्ट नियम निर्धारित किए हैं, ताकि साधक शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से शुद्ध अवस्था में देवोपासना कर सके। किंतु वर्तमान समय में एक विचित्र कुप्रथा देखने को मिल रही है कि जैसे ही पूजन आरंभ होता है, अनेक लोग सिर पर रूमाल या वस्त्र रख लेते हैं और आश्चर्य की बात यह है कि कर्मकांड कराने वाले भी प्रायः इसका

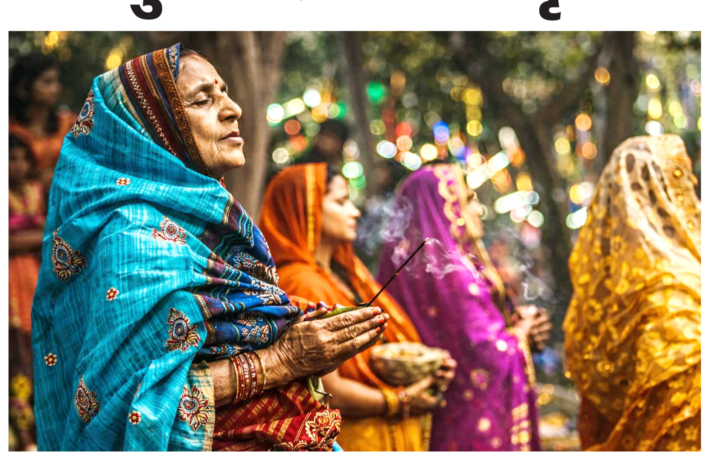

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

निषेध नहीं करते। जबकि शास्त्रों में पूजन और जप के समय सिर ढकने को स्पष्ट रूप से निषिद्ध बताया गया है। धर्मशास्त्रों के अनुसार सिर ढकने का विधान केवल शौच आदि विशेष परिस्थितियों में है। देवपूजा, जप, ध्यान और प्रणाम के समय सिर खुला रखना ही शास्त्रोचित माना गया है। इसका कारण केवल परंपरा नहीं, बल्कि शुद्धता और विनय की भावना है। सिर ढकना अहं या असावधानी का प्रतीक माना गया है, जबकि खुला सिर दैवी सत्ता के प्रति समर्पण और विनम्रता का भाव प्रकट करता है।

शास्त्र स्पष्ट कहते हैं—

"उष्णीषो कञ्चुकी चात्र
मुक्तकेशीगलावृतः,
प्रलपन् कम्पनश्चैव तत्कृतो निष्फलो
जपः॥"

अर्थात पगड़ी पहनकर, शिखा खोलकर, गले को वस्त्र से ढककर, बोलते या चंचल अवस्था में किया गया जप निष्फल होता है। इसी प्रकार यह भी कहा गया है कि सिर या कंठ ढककर, शिखा और कच्छ खुले रखकर, बिना पांव धोए आचमन करने वाला व्यक्ति भी अशुद्ध ही रहता है। पहले सिर और कंठ से वस्त्र हटाना, शिखा-कच्छ को ठीक करना, पांव धोना और फिर आचमन करना आवश्यक है, तभी व्यक्ति देवयजन योग्य होता है। याज्ञवल्क्य स्मृति और अन्य ग्रंथों में भी यह निर्देश मिलता है कि जूते पहने हुए, जल में खड़े होकर या सिर पर पगड़ी धारण कर आचमन और ध्यान नहीं करना चाहिए। कर्मठ गुरुओं ने भी स्पष्ट कहा है कि वस्त्र से सिर ढककर किया गया ध्यान प्रशंसनीय नहीं होता। शब्दकल्पद्रुम, रामार्चनचंद्रिका और शिव महापुराण के उमा खंड में भी एक स्वर से कहा गया है कि अशुद्ध हाथों से, सिर ढककर, बिना कच्छ के या बोलते हुए किया गया जप निष्फल होता है। आज आवश्यकता है कि हम आडंबर और सुविधाजनक परंपराओं के स्थान पर शास्त्रसम्मत आचरण को अपनाएं। कर्मकांड कराने वालों का भी दायित्व है कि वे शास्त्रीय नियमों का पालन कराएं, न कि गलत प्रथाओं को मौन स्वीकृति दें। पूजन का वास्तविक फल तभी प्राप्त होता है, जब विधि, श्रद्धा और शुद्धता तीनों का समन्वय हो। सिर ढककर नहीं, बल्कि विनम्रता और शास्त्रनिष्ठा के साथ किया गया पूजन ही सच्चे अर्थों में देवकृपा का मार्ग प्रशस्त करता है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

श्री तुलसी हिंदी विद्यालय में वार्षिक खेल पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

ठाणे। ठाणे स्थित श्री तुलसी हिंदी माध्यमिक विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में आयोजित वार्षिक खेल प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में 200 से अधिक छात्र-छात्राओं को उनकी उत्कृष्ट खेल उपलब्धियों के लिए मेडल, ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि और संस्था के मैनेजिंग ट्रस्टी माणिकलाल जी ने खेलों को अनुशासन, धैर्य और आत्मविश्वास के विकास के लिए अनिवार्य बताया, वहीं नवीन कुमार पाण्डेय ने निरंतर प्रयास को जीवन का मूल मंत्र बताते हुए विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षाओं के लिए प्रोत्साहित किया और आश्वस्त किया कि आर्थिक स्थिति उनकी प्रगति में बाधा नहीं बनेगी। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य अमित कुमार सिंह ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उन्हें आगामी परीक्षाओं में पूरी लगन से जुटने की प्रेरणा दी। इस गरिमामयी समारोह में संजीव तिवारी और अमित गुप्ता सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

गढ़वाल एकता समिति के खेल उत्सव में 'बदरी केदार' टीम बनी चैंपियन

ठाणे। ठाणे के के.बी.पी. कॉलेज प्रांगण में गढ़वाल एकता समिति द्वारा आयोजित पहले 'उत्तराखंडी क्रिकेट टूर्नामेंट 2026' का भव्य समापन हुआ, जिसमें बदरी केदार टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी जीत हासिल की। युवा पीढ़ी को समाज से जोड़ने के उद्देश्य से अध्यक्ष संपूर्ण सिंह नेगी और महासचिव प्रकाश ढौंडियाल के नेतृत्व में आयोजित इस खेल उत्सव में विष्णु प्रयाग, कर्ण प्रयाग, नंदप्रयाग, रुद्रप्रयाग और देवप्रयाग जैसी टीमों ने हिस्सा लिया, जबकि क्रिकेट के अलावा शतरंज और कैरम प्रतियोगिताओं ने भी युवाओं को आकर्षित किया। वर्षों से सांस्कृतिक कार्यों के माध्यम से युवाओं को जोड़ने के प्रयासों के बीच समिति की इस खेल पहल को व्यापक जनसमर्थन मिला। समापन समारोह में संरक्षक तोता राम चमोला, वरिष्ठ पत्रकार राकेश खंकरियाल निर्मोही और अन्य गणमान्य अतिथियों ने विजेता खिलाड़ियों को मेडल और शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया, जिसमें समाज की महिलाओं और बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

पश्चिम रेलवे पर 'कवच' के लिए ₹483 करोड़ का प्रस्ताव

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के विज़न के अनुरूप, भारतीय रेल ने रेल परिचालन को शून्य दुर्घटना के लक्ष्य तक पहुँचाने के लिए अपनी महत्वाकांक्षी 'कवच' (ट्रेन टक्कर रोधी प्रणाली) के विस्तार की गति तेज़ कर दी है। पश्चिम रेलवे ने इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए 483.65 करोड़ की लागत वाले दो प्रमुख कार्यों का प्रस्ताव पेश किया है। यह पहल भारतीय रेल की 'अम्ब्रेला वर्क 2024–25' का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षा को तकनीकी रूप से अभेद्य बनाना और आधुनिक सुरक्षा मानकों को वैश्विक स्तर पर लाना है।

इंजनों का हाई-टेक अपग्रेडेशन

'कवच' प्रणाली की सफलता केवल पटरियों पर निर्भर नहीं है, बल्कि रेल इंजनों का तकनीकी रूप से उन्नत होना भी अनिवार्य है। इसके लिए पश्चिम रेलवे के 436 मौजूदा इंजनों में संशोधन, उन्नयन और प्रोग्रामिंग का कार्य प्रस्तावित किया गया है। इस बड़े तकनीकी बदलाव के लिए 373.82 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इन इंजनों में 'कवच' के उपकरण लगने के बाद, वे ट्रैक पर लगे सिग्नलों और रेडियो संचार उपकरणों के साथ रियल-टाइम में संवाद कर सकेंगे, जिससे मानवीय भूल की संभावना न्यूनतम हो जाएगी।

अम्ब्रेला प्रोजेक्ट 2024-25

यह पूरा कार्य भारतीय रेल की व्यापक अम्ब्रेला परियोजना का हिस्सा है, जिसे 27,693 करोड़ की विशाल लागत से राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया जा रहा है। इस विशाल बजट में से पश्चिम रेलवे के लिए विशेष रूप से 2,800 करोड़ की उप-अम्ब्रेला राशि स्वीकृत की गई है। यह निवेश दर्शाता है कि सरकार रेल बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने और लंबी अवधि के संचार बैकबोन (LTE) को विकसित करने के प्रति कितनी गंभीर है।

उधना-जलगांव खंड बनेगा सुरक्षित

इस परियोजना के पहले चरण में उधना-जलगांव खंड के 307 रूट किलोमीटर पर 'कवच' प्रणाली स्थापित करने की योजना है। इस कार्य के लिए 109.83 करोड़ का बजट प्रस्तावित किया गया है। 'कवच' एक स्वदेशी रूप से विकसित तकनीक है जो एक ही ट्रैक पर दो ट्रेनों के आने की स्थिति में स्वचालित रूप से ब्रेक लगाकर टक्कर को रोकती है। इस खंड पर इस प्रणाली के सक्रिय होने से न केवल ट्रेनों के टकराने का खतरा समाप्त होगा, बल्कि खराब मौसम या कोहरे के दौरान भी ट्रेनों का परिचालन अधिक सुरक्षित और सटीक हो सकेगा।

महिला किसानों के लिए मुंबई में सेमिनार

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार का कृषि विभाग और प्रख्यात एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (MSSRF) मिलकर महिला किसानों के उत्थान के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रहे हैं। आगामी 23 जनवरी 2026 को मुंबई के सह्याद्री गेस्ट हाउस (हॉल नंबर 4) में महिला किसानों के विभिन्न विषयों पर एक राज्य स्तरीय सेमिनार का आयोजन किया गया है। कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने इस आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि यह सेमिनार राज्य में महिला कृषि क्षेत्र को एक नई दिशा देने और उन्हें मुख्यधारा के आर्थिक विकास से जोड़ने का काम करेगा।

कृषि विभाग और MSSRF के बीच रणनीतिक समझौता

इस सेमिनार की नींव कृषि विभाग और MSSRF के बीच हुए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर टिकी है। इस साझेदारी का उद्देश्य महिला किसानों के लिए एक ठोस नीति तैयार करना और उसे जमीनी स्तर पर लागू करने के लिए प्रभावी कार्यक्रम बनाना है। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे और कृषि राज्य मंत्री एडवोकेट आशीष जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। यह सहयोग तकनीकी ज्ञान और सरकारी योजनाओं के बीच के सेतु के रूप में कार्य करेगा।

लिंग न्याय और पोषण सुरक्षा पर रहेगा मुख्य ध्यान

इस सेमिनार का केंद्र बिंदु केवल उत्पादन बढ़ाना नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण के व्यापक पहलुओं को कवर करना है। इसमें संसाधन अधिकार, पोषण सुरक्षा, लिंग न्याय (Gender Justice) और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि जब महिला किसानों को संसाधनों पर समान अधिकार और सही प्रशिक्षण मिलेगा, तभी किसानों की वास्तविक समृद्धि सुनिश्चित होगी।

कांदिवली एवं बोरीवली के बीच छठी लाइन का किया गया कमीशन

मुंबई। पश्चिम रेलवे ने मुंबई उपनगरीय नेटवर्क में एक बड़ी बुनियादी ढांचा उपलब्धि हासिल की है। कांदिवली और बोरीवली के बीच 3.210 किलोमीटर लंबी छठी लाइन का काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। 18 जनवरी, 2026 को रेल संरक्षा आयुक्त (पश्चिम परिमंडल) ई. श्रीनिवास द्वारा विस्तृत निरीक्षण और सफल गति परीक्षण के बाद इस खंड को नियमित रेल परिचालन के लिए हरी झंडी दे दी गई।

30 दिनों का 'मिशन मोड' और फेज-I की पूर्णता

यह नया खंड बांद्रा टर्मिनस से बोरीवली के बीच परियोजना के फेज-I का अंतिम हिस्सा है। इससे पहले खार रोड-गोरेगांव (नवंबर 2023) और गोरेगांव-कांदिवली (अक्टूबर 2024) का कार्य पूरा हो चुका था। इस अंतिम हिस्से को 18 दिसंबर 2025 से 17 जनवरी 2026 के बीच मात्र 30 दिनों की सुव्यवस्थित समय-सीमा में पूर्ण किया गया। इस चुनौतीपूर्ण कार्य में ट्रैक पुनर्संरेखण, पुलों का सुदृढ़ीकरण, आधुनिक सिगनलिंग का एकीकरण और विद्युतीकरण जैसे जटिल कार्य शामिल थे, जिन्हें पश्चिम रेलवे के विभिन्न विभागों ने चौबीसों घंटे काम करके पूरा किया।

कंजेशन से राहत और ट्रेनों की समयबद्धता में सुधार

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक के अनुसार, इस छठी लाइन के शुरू होने का सबसे बड़ा लाभ उपनगरीय (लोकल) और लंबी दूरी की ट्रेनों के परिचालन को अलग-अलग करना है। अब एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए समर्पित ट्रैक होने से लोकल ट्रेनों के मार्ग में आने वाली बाधाएं कम होंगी। इससे न केवल रेल नेटवर्क का 'कंजेशन' (भीड़भाड़) कम होगा, बल्कि ट्रेनों की समयपालनता (Punctuality) में भी बड़ा सुधार होगा। परियोजना के दौरान यात्रियों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया और अधिकांश बड़े निर्माण कार्य रात्रि ब्लॉक अवधि के दौरान किए गए ताकि उपनगरीय सेवाओं में न्यूनतम व्यवधान हो।

आयुक्त ने किया एनीमिया विशेष शिविर केंद्र पडघा का निरीक्षण

ठाणे। 16 जनवरी 2026 को भिवंडी तहसील के पडघा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और 'अरुणोदय सिकल सेल एनीमिया विशेष अभियान' के कार्यान्वयन की गहन समीक्षा की गई। इस महत्वपूर्ण दौरे का नेतृत्व कमिश्नर डॉ. कादंबरी बालकवड़े और स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. नितिन अंबाडेकर ने किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं का मूल्यांकन करना और ज़िले की स्वास्थ्य प्रणाली को अधिक सुदृढ़ बनाना था।'अरुणोदय सिकल सेल एनीमिया विशेष अभियान' के तहत बीमारी की जल्दी पहचान, प्रभावी उपचार और जन-जागरूकता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों ने उप-केंद्र (Sub-center) स्तर पर चल रहे इस अभियान की प्रगति का विस्तृत विवरण लिया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि सिकल सेल से प्रभावित व्यक्तियों की स्क्रीनिंग में तेज़ी लाई जाए ताकि समय रहते उन्हें आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान की जा सके और इस आनुवंशिक बीमारी के प्रसार को नियंत्रित किया जा सके।

डिजिटल हेल्थ पोर्टल और लैब गुणवत्ता का सत्यापन

निरीक्षण के दौरान कमिश्नर डॉ. कादंबरी बालकवड़े ने स्वास्थ्य केंद्र में ई-सुश्रुत, ई-औषधि और ई-विन (e-Vin) जैसे डिजिटल पोर्टल्स के प्रभावी उपयोग की जाँच की। उन्होंने लैब में किए जा रहे विभिन्न परीक्षणों, उनके रिकॉर्ड और कार्यप्रणाली का बारीकी से निरीक्षण किया। यह सुनिश्चित किया गया कि तकनीकी माध्यमों से मरीजों का डेटा और दवाओं का स्टॉक सही ढंग से प्रबंधित हो रहा है।

दसवीं- बारहवीं के छात्रों के लिए यूट्यूब चैनल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने दसवीं (SSC) और बारहवीं (HSC) की आगामी परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए अपना आधिकारिक यूट्यूब चैनल लॉन्च किया है। इस डिजिटल पहल का मुख्य उद्देश्य छात्रों, स्कूलों और परीक्षा केंद्र अधिकारियों के बीच नियमों को लेकर होने वाली किसी भी तरह की गलतफहमी या भ्रम को दूर करना है। बोर्ड अध्यक्ष त्रिगुण कुलकर्णी के अनुसार, हालांकि नियम और प्रक्रियाएं वही हैं, लेकिन लिखित निर्देशों की अलग-अलग व्याख्या होने के कारण अक्सर परीक्षाओं के दौरान भ्रम की स्थिति बन जाती है। अब वीडियो के माध्यम से नियमों की सरल व्याख्या की जाएगी, जिससे परीक्षा का आयोजन अधिक सुचारू और पारदर्शी होगा।

तनाव प्रबंधन और विषय-विशिष्ट सहायता पर रहेगा जोर

यूट्यूब चैनल की यह सेवा केवल प्रशासनिक नियमों तक ही सीमित नहीं रहेगी। बोर्ड ने भविष्य में इस पर तनाव प्रबंधन और विभिन्न विषयों के लिए विशेष मार्गदर्शन सामग्री अपलोड करने की भी योजना बनाई है। अक्सर परीक्षाओं के दौरान छात्र और अभिभावक मानसिक दबाव महसूस करते हैं, जिसे कम करने के लिए विशेषज्ञों के वीडियो मददगार साबित होंगे। इस नई डिजिटल सुविधा के साथ-साथ बोर्ड की पारंपरिक हेल्पलाइन सेवा भी निरंतर जारी रहेगी, जिससे छात्रों को दोहरे स्तर पर सहायता और मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

परीक्षा तिथियों का विवरण और विभागीय प्रमुखों का मार्गदर्शन

वर्ष 2026 के लिए बोर्ड ने विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम भी साझा किया है। बारहवीं (HSC) की लिखित परीक्षाएं 10 फरवरी से 18 मार्च 2026 तक आयोजित की जाएंगी, जबकि दसवीं (SSC) की लिखित परीक्षाएं 20 फरवरी से 18 मार्च 2026 के बीच होंगी। प्रायोगिक (प्रैक्टिकल) और मौखिक परीक्षाओं का दौर जनवरी के अंत से शुरू होकर फरवरी के मध्य तक चलेगा। इस डिजिटल अभियान के तहत बोर्ड के सभी नौ विभागों के प्रमुखों को अलग-अलग विषय सौंपे गए हैं। वे इन विषयों पर जानकारीपूर्ण वीडियो बनाकर यूट्यूब पर अपलोड करेंगे, ताकि राज्य के हर कोने में बैठे छात्र तक सटीक जानकारी पहुँच सके।

विदेश में खेती के गुण सीख रहे महाराष्ट्र के किसान

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार की 'किसान विदेश स्टडी टूर स्कीम' के तहत राज्य के 15 प्रगतिशील किसानों का पहला दल मलेशिया, वियतनाम और फिलीपींस में आधुनिक कृषि पद्धतियों का अध्ययन करने के लिए विदेश पहुँच चुका है। वर्ष 2019 के बाद आयोजित इस पहले विदेशी दौरे का उद्देश्य किसानों को वैश्विक स्तर की आधुनिक तकनीक, संरक्षित खेती, एग्रो-प्रोसेसिंग और निर्यात-उन्मुख उत्पादन प्रणालियों से अवगत कराना है। कृषि मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने वीडियो कॉल के जरिए किसानों से संवाद कर उन्हें प्रोत्साहित किया और उनसे अपने अनुभवों को राज्य के अन्य किसानों के साथ साझा करने का आग्रह किया। इस योजना के तहत साल 2025-26 के लिए यूरोप और इज़राइल के दौरे भी प्रस्तावित हैं, जिससे राज्य के कृषि क्षेत्र में नई ऊर्जा और तकनीकी क्रांति आने की संभावना है।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। चिंता रहेगी। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

वृष व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जुए व सट्टे से दूर रहें। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। कोई बड़ा काम होने से उत्साह व प्रसन्नता में वृद्धि होगी। जीवन सुखमय रहेगा। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें।

मिथुन कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। पुराना रोग उभर सकता है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। चिंता तथा निराशा हावी रहेंगी। बेकार बातों पर ध्यान न दें। आय में निश्चितता रहेगी।

कर्क जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। नौकरी में मातहतों का साथ रहेगा। व्यापार अच्छा चलेगा। जल्दबाजी न करें। रुके कामों में गति आएगी। कीमती वस्तु गुम हो सकती है।

सिंह सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नए कार्य करने का मन बनेगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा। उत्साह वृद्धि होगी। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। सावधानी आवश्यक है। भाग्य साथ है।

कन्या वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। परिवार व मित्रों के साथ जीवन सुखमय गुजरेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। अध्ययन में मन लगेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। बेचैनी रहेगी।

तुला नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। किसी अपने के व्यवहार से मन को ठेस पहुंच सकती है।

वृश्चिक व्यवसाय में उतार-चढ़ाव रहेगा। आय बनी रहेगी। गृह क्लेश हो सकता है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। कुसंगति से हानि होगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। क्रोध व उत्तेजना से समस्या बढ़ सकती है।

धनु तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी। सत्संग का लाभ मिलेगा। आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। संपत्ति के कार्य मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है।

मकर आय में वृद्धि होगी। व्यापार में वृद्धि होगी। अज्ञात भय सताएगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जल्दबाजी न करें। अच्छी बात भी लोगों को समझ नहीं आएगी। विरोध होगा। जीवन सुखमय करने के लिए व्यय होगा। प्रयास सफल रहेंगे।

कुंभ सुख के साधन जुटेंगे। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नई योजना बनेगी। समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कोई बड़ी मुश्किल का हल मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा।

मीन व्यापार से अधिक लाभ होगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। उत्साह वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यस्तता के चलते स्वयं का ध्यान नहीं रख पाएंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

पंचांग की उपयोगिता- पंचांग ज्ञान

भारतीय पंचांग का आधार विक्रम संवत है जिसका सम्बंध राजा विक्रमादित्य के शासन काल से है। ये कैलेंडर विक्रमादित्य के शासनकाल में जारी हुआ था। इसी कारण इसे विक्रम संवत के नाम से जाना जाता है। पंचाग पाँच अंगो के मिलने से बनता है, ये पाँच अंग इस प्रकार हैं:-

1 तिथि (Tithi) 2:- वार (Day) 3:- नक्षत्र (Nakshatra) 4:- योग (Yog) 5:- करण (Karan)

पंचाग का पठन एवं श्रवण अति शुभ माना जाता है इसीलिए भगवान श्रीराम भी पंचाग का श्रवण करते थे। शास्त्रों के अनुसार तिथि के पठन और श्रवण से माँ लक्ष्मी की कृपा मिलती है। वार के पठन और श्रवण से आयु में वृद्धि होती है। नक्षत्र के पठन और श्रवण से पापो का नाश होता है। योग के पठन और श्रवण से प्रियजनों का प्रेम मिलता है। उनसे वियोग नहीं होता है।

प्रियंका जैन
9769994439

करण के पठन श्रवण से सभी तरह की मनोकामनाओं की पूर्ति होती है। इसलिए हर मनुष्य को जीवन में शुभ फलो की प्राप्ति के लिए नित्य पंचांग को देखना और बोल कर पढ़ना चाहिए। चन्द्रमा की एक कला को एक तिथि माना जाता है जो उन्नीस घंटे से 24 घंटे तक की होती है। अमावस्या के बाद प्रतिपदा से लेकर पूर्णिमा तक की तिथियों को शुक्लपक्ष और पूर्णिमा से अमावस्या तक की तिथियों को कृष्ण पक्ष कहते हैं। तिथियाँ इस प्रकार होती है:

1. प्रतिपदा, 2. द्वितीय, 3. तृतीया, 4. चतुर्थी, 5. पँचमी, 6. षष्टी, 7. सप्तमी, 8. अष्टमी, 9. नवमी, 10. दशमी, 11. एकादशी, 12. द्वादशी, 13. त्रियोदशी, 14. चतुर्दशी, 15. पूर्णिमा एवं 30. अमावस्या

तिथियों के प्रकार: – 1-6-11 नंदा, 2-7-12 भद्रा, 3-8-13 जया, 4-9-14 रिक्ता और 5-10-15 पूर्णा तथा 4-6-8-9-12-14 तिथियाँ पक्षरंध्र संज्ञक हैं। मुख्य रूप से तिथियाँ 5 प्रकार की होती है।

नन्दा तिथियाँ – दोनों पक्षों की 1, 6 और 11 तिथि अर्थात प्रतिपदा, षष्ठी व एकादशी तिथियाँ नन्दा तिथि कहलाती हैं। इन तिथियों में अंतिम प्रथम घटी या अंतिम 24 मिनट को छोड़कर सभी मंगल कार्यों को करना शुभ माना जाता है।

भद्रा तिथियाँ – दोनों पक्षों की 2, 7, और 12 तिथि अर्थात द्वितीया, सप्तमी व द्वादशी तिथियाँ भद्रा तिथि कहलाती है। इन में कोई भी शुभ, मांगलिक कार्य नहीं किये जाते है लेकिन यह तिथियाँ मुक़दमे, चुनाव, शल्य चिकित्सा सम्बन्धी कार्यो के लिए अच्छी मानी जाती है और व्रत, जाप, पूजा अर्चना एवं दान-पुण्य जैसे धार्मिक कार्यों के लिए यह शुभ मानी गयी हैं।

जया तिथि – दोनों पक्षों की 3, 8 और 13 तिथि अर्थात तृतीया, अष्टमी व त्रयोदशी तिथियाँ जया तिथि कहलाती है। यह तिथियाँ विद्या, कला जैसे गायन, वादन नृत्य आदि कलात्मक कार्यों के लिए उत्तम मानी जाती है।

रिक्ता तिथि – दोनों पक्षों की 4, 9, और 14 तिथि अर्थात चतुर्थी, नवमी व चतुर्दशी तिथियाँ रिक्त तिथियाँ कहलाती है। तिथियों में कोई भी मांगलिक कार्य, नया व्यापार, गृह प्रवेश, नहीं करने चाहिए परन्तु मेले, तीर्थ यात्राओं आदि के लिए यह ठीक होती हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

पेश नहीं हुए राहुल गांधी, 20 फरवरी को अंतिम मौका

सुलतानपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जुड़े मानहानि मामले में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सोमवार को सुलतानपुर की एमपी-एमएलए अदालत में बयान दर्ज कराने नहीं पहुंचे। इस पर अदालत ने उन्हें अंतिम अवसर देते हुए अगली सुनवाई के लिए 20 फरवरी की तारीख तय की है। राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी शुक्ला ने बताया कि वे उस दिन केरल में होने के कारण अदालत में उपस्थित नहीं हो सके। यह मामला भाजपा नेता विजय मिश्रा द्वारा वर्ष 2018 में दायर किया गया था, जिसमें कर्नाटक चुनाव प्रचार के दौरान अमित शाह पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी का आरोप लगाया गया है। अदालत में अब दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 313 के तहत राहुल गांधी का बयान दर्ज होना है, जिसके लिए उनकी व्यक्तिगत उपस्थिति अनिवार्य होगी।

गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होंगे संभल के 26 बच्चे

संभल। गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय परेड में संभल जिले के 26 बच्चों को शामिल होने का अवसर मिला है। ये बच्चे उन परिवारों से हैं, जो पहले भीख मांगकर जीवन यापन करते थे, लेकिन जिला प्रशासन की पुनर्वास पहल से अब शिक्षा और अनुशासन की मुख्यधारा से जुड़ चुके हैं। जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया के अनुसार, 'उम्मीद' संस्था और वीनस शुगर मिल के सहयोग से 650 परिवारों का पुनर्वास किया गया। बच्चों को स्कूलों में दाखिला दिलाया गया और अभिभावकों को प्रशिक्षण व रोजगार से जोड़ा गया। चयनित बच्चों को पहले स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण दिया गया, जिसके बाद वर्तमान में लखनऊ में परेड अभ्यास कराया जा रहा है। यह उपलब्धि प्रशासनिक प्रयासों की सफलता और सामाजिक बदलाव का प्रतीक मानी जा रही है।

मुंबई से लौट रहे गोरखपुर के मजदूर की रास्ते में मौत

उरई। मुंबई से अपने घर गोरखपुर लौट रहे एक मजदूर की तबीयत ट्रेन यात्रा के दौरान अचानक खराब हो गई। हालत गंभीर होने पर उन्हें उरई के मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान गोरखपुर जिले के पिपराईच थाना क्षेत्र अंतर्गत करमेनी गांव निवासी 56 वर्षीय शमशेर के रूप में हुई है। वह लंबे समय से मुंबई में मजदूरी कर जीवन यापन कर रहा था। उरई कोतवाली प्रभारी हरी शंकर चंद के अनुसार, रविवार 18 जनवरी को घटना की सूचना मिलने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर ली गई है। मौत के कारणों की जांच की जा रही है।

नेपाली नागरिक गिरफ्तार, करोड़ों की ठगी

नोएडा। उत्तर प्रदेश के नोएडा में पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ऑनलाइन सट्टेबाजी और साइबर ठगी के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। गृह मंत्रालय से मिले ठोस इनपुट के आधार पर थाना फेस-1 पुलिस ने सेक्टर-1 स्थित एक कॉल सेंटर पर छापा मारकर नेपाल निवासी अनूप श्रेष्ठ को गिरफ्तार किया है, जो भारत में प्रतिबंधित ऑनलाइन बेटिंग एप के जरिए ठगी का संचालन कर रहा था। पुलिस के अनुसार, आरोपी नेपाल के मोरंग जिले का रहने वाला है और रूस से साइबर तकनीक की पढ़ाई कर चुका है।

वैश्विक मंच पर दिखेगी UP की साइबर ताकत

इज़राइल में गूंजेगा यूपी मॉडल, साइबरटेक ग्लोबल-2026 में भारत के दो दिग्गज करेंगे प्रतिनिधित्व

एजेंसी । लखनऊ

लखनऊ। अंतरराष्ट्रीय साइबर सुरक्षा के सबसे प्रतिष्ठित आयोजनों में शामिल साइबरटेक ग्लोबल तेल अवीव-2026 में इस बार भारत, विशेषकर उत्तर प्रदेश की साइबर क्षमता दुनिया के सामने प्रस्तुत होगी। 26 से 28 जनवरी 2026 तक इज़राइल के तेल अवीव में आयोजित इस सम्मेलन में यूपी की साइबर सुरक्षा रणनीति, तकनीकी नवाचार और अनुभव वैश्विक विशेषज्ञों के समक्ष रखे जाएंगे।

भारत से दो शीर्ष साइबर विशेषज्ञ होंगे चीफ मेंटर

सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व दो वरिष्ठ साइबर विशेषज्ञ चीफ मेंटर के रूप में करेंगे। इनमें भारत सरकार के पूर्व राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वयक माधवन उन्नीकृष्णन नायर तथा उत्तर प्रदेश से एशिया के चर्चित साइबर कॉप प्रो. त्रिवेणी सिंह शामिल हैं। दोनों विशेषज्ञ साइबर खतरों से निपटने की रणनीतियों, नीतिगत ढांचे और अत्याधुनिक तकनीकों पर विस्तृत प्रस्तुति देंगे।

20 देशों के साइबर एक्सपर्ट्स का होगा वैश्विक जमावड़ा

तेल अवीव में होने वाले इस सम्मेलन में अमेरिका, यूरोप और एशिया के करीब 20 देशों से साइबर वैज्ञानिक, नीति निर्माता और तकनीकी विशेषज्ञ भाग लेंगे। अमेरिका, जापान, जर्मनी, इंग्लैंड, इटली, स्पेन, नीदरलैंड, बेल्जियम, यूएई, फिलीपींस, रोमानिया, हंगरी, उरुग्वे सहित कई देशों की भागीदारी तय मानी जा रही है।

यूपी के साइबर क्राइम कंट्रोल सिस्टम पर होगा अध्ययन

सम्मेलन के दौरान प्रो. त्रिवेणी सिंह अपने 25 वर्षों से अधिक के अनुभव के आधार पर बताएंगे कि किस तरह उत्तर प्रदेश ने तकनीक आधारित अपराधों, वित्तीय धोखाधड़ी और साइबर फ्रॉड से निपटने के लिए एक प्रभावी और मजबूत तंत्र विकसित किया है। वहीं, माधवन उन्नीकृष्णन नायर भारत के राष्ट्रीय साइबर फ्रेमवर्क और नीति अनुभव को वैश्विक मंच पर साझा करेंगे। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी प्रमुख वक्ता के रूप में शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री योगी के विजन से मजबूत हुआ साइबर सेफ यूपी मॉडल

उत्तर प्रदेश में साइबर सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुरूप एआई और साइबर टेक्नोलॉजी को प्रशासनिक व शैक्षणिक ढांचे का अहम हिस्सा बनाया गया है। सोशल मीडिया के दुरुपयोग, डीपफेक, डार्क वेब, साइबर अपराध और आतंकी नेटवर्क जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सख्त और सुनियोजित व्यवस्था लागू की गई है। इसी क्रम में प्रो. त्रिवेणी सिंह द्वारा संचालित साइबर सेफ उत्तर प्रदेश अभियान को राष्ट्रीय पहचान मिली

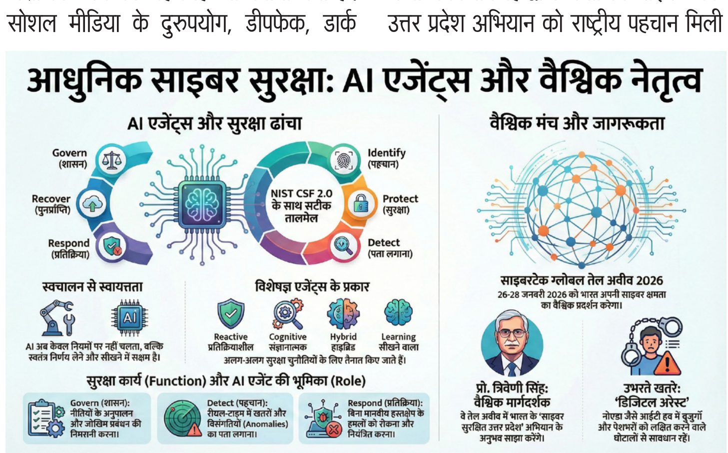

UCC: सालभर में 4.74 लाख से अधिक शादियां पंजीकृत

उत्तराखंड में यूसीसी लागू हुए एक वर्ष बीते

एजेंसी । देहरादून

उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू होने के एक वर्ष के भीतर विवाह पंजीकरण प्रणाली में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। इस अवधि में राज्यभर में 4.74 लाख से अधिक विवाहों का ऑनलाइन पंजीकरण किया गया, जबकि सैकड़ों मामलों में विवाह विच्छेद और लिव-इन संबंधों का भी पंजीकरण हुआ है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, यूसीसी लागू होने के बाद अब तक 4,74,447 विवाह ऑनलाइन दर्ज किए जा चुके हैं। इसके साथ ही 316 दंपत्तियों ने ऑनलाइन माध्यम से तलाक पंजीकृत कराया, जबकि 68 लोगों ने लिव-इन रिलेशनशिप प्रमाणपत्र और दो लोगों ने लिव-इन संबंध समाप्ति का प्रमाणपत्र प्राप्त किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड ने समान नागरिक संहिता लागू कर देश के लिए एक नई दिशा तय की है। उन्होंने बताया कि यूसीसी के पारदर्शी और सरल क्रियान्वयन से लोगों का भरोसा बढ़ा है और यह कानून एक प्रभावी मॉडल के रूप में उभरकर सामने आया है।

आफलाइन व्यवस्था में जाना पड़ता था दफ्तर

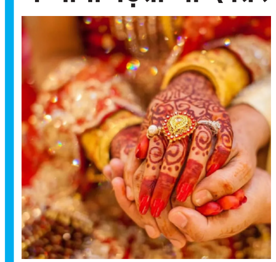

यूसीसी के लागू होने से पहले विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी तरह ऑफलाइन थी और दंपत्तियों को गवाहों के साथ सब-रजिस्ट्रार कार्यालय जाना पड़ता था। नई व्यवस्था के तहत पति-पत्नी और गवाह कहीं से भी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, जिसमें दस्तावेज और वीडियो बयान भी डिजिटल रूप से दर्ज किए जा रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, यूसीसी के बाद प्रतिदिन औसतन 1,400 विवाह पंजीकरण हो रहे हैं, जबकि पूर्व व्यवस्था में यह संख्या महज 67 प्रतिदिन थी। वहीं, पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी करने की निर्धारित 15 दिन की अवधि के बजाय अधिकांश मामलों में पांच दिन के भीतर ही प्रमाणपत्र उपलब्ध करा दिया जा रहा है।

उत्तर प्रदेश के सांस्कृतिक वैभव से सजेगी दिल्ली हाट

यूपी दिवस–2026 की भव्य शुरुआत, पर्यटन विभाग द्वारा 24 जनवरी को किया जा रहा आयोजन

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश दिवस–2026 के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को भव्य रूप में प्रस्तुत किया जाएगा। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की ओर से 24 जनवरी 2026 को सायं 5:30 बजे दिल्ली हाट में विशेष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें देश-विदेश के विशिष्ट अतिथियों की भागीदारी प्रस्तावित है।

विदेशों में भी मनाया जाएगा यूपी दिवस

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार यूपी दिवस–2026 को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में सक्रिय प्रयास कर रही है। इसी क्रम में फिजी, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, सूरीनाम, सेशेल्स सहित करीब 12 देशों में पदस्थ भारतीय राजनयिकों को पत्र भेजकर वहां यूपी दिवस के आयोजन का आग्रह किया गया है।

हस्तशिल्प और क्षेत्रीय व्यंजनों की भी मिलेगी झलक

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के पारंपरिक हस्तशिल्प उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा, वहीं राज्य के विभिन्न अंचलों के प्रसिद्ध व्यंजनों के माध्यम से यूपी की पाक संस्कृति को भी रेखांकित किया जाएगा। इसके साथ ही देश के अलग-अलग हिस्सों में रहकर उत्कृष्ट योगदान देने वाले उत्तर प्रदेश के मूल निवासियों को सम्मानित किए जाने की भी योजना है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि जिन देशों में बड़ी संख्या में उत्तर प्रदेश के लोग निवास करते हैं, वहां के 18–20 चयनित देशों के भारत स्थित राजनयिकों को इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया है।

प्रवासी व विदेशी राजनयिकों की रहेगी मौजूदगी

दिल्ली हाट में आयोजित इस समारोह में बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय, 18 से 20 देशों के भारत में पदस्थापित राजनयिक, केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी तथा उत्तर प्रदेश से जुड़े विशिष्टजन शामिल होंगे। कार्यक्रम के माध्यम से उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय राजधानी में वैश्विक मंच प्रदान किया जाएगा। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यूपी दिवस–2026 के अवसर पर दिल्ली हाट को 'विकसित उत्तर प्रदेश' की थीम पर सजाया जाएगा। सांस्कृतिक संध्या में प्रदेश की विविध लोक नृत्य शैलियों, पारंपरिक कलाओं और सांस्कृतिक परंपराओं की आकर्षक प्रस्तुतियां होंगी।

दिनदहाड़े एक ही घर के चार लोगों का कत्ल

ईंट से हमलाकर हत्यारों ने वारदात को दिया अंजाम, जघन्य अपराध पर रहस्य बरकरार

एजेंसी । एटा

उत्तर प्रदेश के एटा जनपद में सोमवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां दिन के उजाले में घर में घुसकर एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई। इस नृशंस वारदात से पूरे इलाके में दहशत फैल गई है और लोग स्तब्ध हैं।

घर के भीतर ईंट से कुचलकर की गई हत्या

नगर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नगला प्रेमी में रहने वाले एक वृद्ध परिवार को अज्ञात हमलावर ने निशाना बनाया। हमलावर ने घर में घुसकर ईंट से प्रहार कर वृद्ध गंगा सिंह (75), उनकी बहू रत्ना पत्नी कमल सिंह (45) और नातिनी ज्योति (20) की मौके पर ही हत्या कर दी। इस हमले में गंभीर रूप से घायल वृद्धा श्यामा देवी (70) को मेडिकल कॉलेज एटा ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया।

फॉरेंसिक व डॉग स्क्वायड ने जुटाए साक्ष्य

घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली नगर पुलिस के साथ अपर पुलिस अधीक्षक श्वेताभ पांडे और क्षेत्राधिकारी नगर राजेश सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और हालात का जायजा लिया। हत्या की गुत्थी सुलझाने के लिए फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड को भी मौके पर बुलाया गया। टीमों ने घटनास्थल से अहम साक्ष्य एकत्र किए हैं, जिनके आधार पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

हत्या के कारणों पर सस्पेंस बरकरार

अभी तक हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस को आशंका है कि वारदात को अंजाम देने वाला कोई परिचित या परिवार से जुड़ा व्यक्ति हो सकता है। हालांकि, सभी पहलुओं पर गंभीरता से जांच की जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक श्वेताभ पांडेय ने बताया कि अज्ञात व्यक्ति द्वारा घर में घुसकर चार लोगों की हत्या की गई है। पुलिस टीमें सक्रिय हैं और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किए जाने का दावा किया जा रहा है।

व्यापार जगत

भारत-अमेरिका संबंधों को नई ऊर्जा देने पर मंथन

पीयूष गोयल ने अमेरिकी सीनेटर व राजदूत से की अहम बातचीत

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक एवं आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को नई दिल्ली में अमेरिका के वरिष्ठ सीनेटर स्टीव डेन्स और भारत में अमेरिका के नवनियुक्त राजदूत सर्जियो गोर से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े विविध पहलुओं पर गहन और सकारात्मक चर्चा हुई। बैठक के दौरान व्यापार, निवेश, आपूर्ति श्रृंखला, वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और भविष्य की सहयोग संभावनाओं को लेकर विचारों का उपयोगी आदान-प्रदान किया गया। दोनों पक्षों ने भारत-अमेरिका साझेदारी को साझा हितों और लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर और सुदृढ़ बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

रणनीतिक साझेदारी को लेकर बढ़ती सक्रियता

लगातार हो रही इन उच्चस्तरीय बैठकों को भारत और अमेरिका के बीच बढ़ती रणनीतिक सक्रियता और सहयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत के रूप में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन संवादों से व्यापार, निवेश और वैश्विक मंचों पर दोनों देशों की साझेदारी को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

लगातार हो रही हैं उच्चस्तरीय मुलाकातें

उल्लेखनीय है कि इससे एक दिन पूर्व रविवार को विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भी भारत दौरे पर आए अमेरिकी सीनेटर स्टीव डेन्स से भेंट की थी। इस मुलाकात में दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका संबंधों की व्यापक समीक्षा करते हुए इसके रणनीतिक, कूटनीतिक और वैश्विक महत्व पर विस्तार से विचार-विमर्श किया था। हाल ही में अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने भी सीनेटर डेन्स से मुलाकात कर द्विपक्षीय रिश्तों को और मजबूत बनाने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की थी।

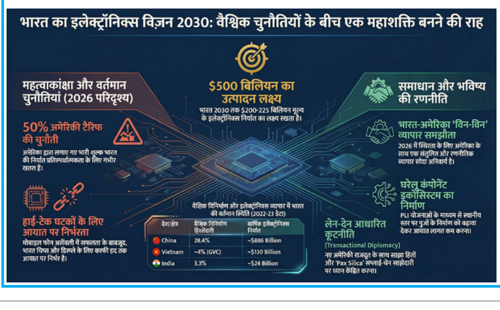

सोशल मीडिया पर साझा की जानकारी

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बैठक के बाद सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि अमेरिकी सीनेटर स्टीव डेन्स और भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से पुनः मुलाकात कर उन्हें अत्यंत प्रसन्नता हुई। उन्होंने लिखा कि इस संवाद के दौरान द्विपक्षीय संबंधों को लेकर सार्थक और दूरदर्शी चर्चा हुई, जो दोनों देशों के आपसी सहयोग को आगे बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगी।

उद्यमियों को मिला 52,300 करोड़ रुपये का ऋण

- डिजिटल व्यवस्था के प्रभावी होने से MSME को बड़ी राहत
- सरकारी बैंकों ने स्वीकृत किए चार लाख से अधिक ऋण

नई दिल्ली। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को वित्तीय सहयोग देने की दिशा में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने उल्लेखनीय प्रगति की है। वित्त वर्ष के दौरान 1 अप्रैल से 31 दिसंबर तक, सरकारी बैंकों ने डिजिटल ऋण मूल्यांकन व्यवस्था के अंतर्गत 52,300 करोड़ रुपये से अधिक राशि के लगभग 3.96 लाख एमएसएमई ऋण प्रस्तावों को मंजूरी दी है। यह सफलता सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा वर्ष 2025 में शुरू किए गए डिजिटल फुटप्रिंट आधारित क्रेडिट असेसमेंट

डिजिटल डेटा से होता है ऋण मूल्यांकन

क्रेडिट असेसमेंट मॉडल उपलब्ध डिजिटल जानकारियों का उपयोग कर एमएसएमई ऋणों के लिए स्वचालित मार्ग तैयार करता है। यह व्यवस्था बैंक के मौजूदा ग्राहकों के साथ-साथ नए उधारकर्ताओं के लिए भी मॉडल आधारित ऋण सीमा का निर्धारण करती है। इसके माध्यम से सभी आवेदनों पर एक समान और वस्तुनिष्ठ मानकों के आधार पर निर्णय लिया जाता है।

कई स्तरों पर होती है डिजिटल जांच

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी बयान में बताया गया है कि इस प्रणाली के तहत केवाईसी प्रमाणीकरण, मोबाइल और ई-मेल सत्यापन, जीएसटी डेटा विश्लेषण, अकाउंट एग्रीगेटर के माध्यम से बैंक स्टेटमेंट की जांच, आयकर रिटर्न का सत्यापन तथा क्रेडिट सूचना कंपनियों के आंकड़ों का उपयोग किया जाता है। इसके अलावा, धोखाधड़ी की पहचान के लिए भी डिजिटल फुटप्रिंट्स का सहारा लिया जाता है। मंत्रालय के अनुसार, इस डिजिटल प्रणाली के लागू होने से एमएसएमई उद्यमियों को ऋण आवेदन के लिए बैंक शाखाओं के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। उद्यमी 24 घंटे, वर्ष के किसी भी दिन, कहीं से भी ऑनलाइन ऋण के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवश्यक दस्तावेजों को डिजिटल रूप से अपलोड किया जा सकता है और ऋण स्वीकृति के समय भौतिक प्रतियां जमा करने की अनिवार्यता भी समाप्त कर दी गई है।

तीन साल बाद आटा निर्यात को ग्रीन सिग्नल

केंद्र सरकार ने पांच लाख टन गेहूं के आटे के निर्यात को दी मंजूरी

नई दिल्ली। गेहूं आधारित उत्पादों के निर्यात को लेकर केंद्र सरकार ने अहम फैसला लिया है। सरकार ने गेहूं के आटे और उससे जुड़े उत्पादों के निर्यात पर लगी रोक में आंशिक ढील देते हुए कुल पांच लाख टन निर्यात की अनुमति प्रदान की है। इस संबंध में विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अधिसूचना जारी कर दी है। डीजीएफटी द्वारा 16 जनवरी को जारी अधिसूचना के अनुसार, तीन वर्ष से अधिक समय बाद गेहूं के आटे के निर्यात पर प्रतिबंध में यह सीमित राहत दी गई है। उल्लेखनीय है कि घरेलू आपूर्ति और कीमतों को नियंत्रित करने के उद्देश्य से वर्ष 2022 में गेहूं और उससे जुड़े उत्पादों के निर्यात पर रोक लगा दी गई थी। सरकार के इस निर्णय से गेहूं उत्पादक किसानों, आटा उद्योग और निर्यात से जुड़े कारोबारियों को राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

निर्यात की मात्रा सीमित, अनुमति जरूरी

अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि गेहूं के आटे और संबंधित उत्पादों का निर्यात सामान्य रूप से प्रतिबंधित ही रहेगा, लेकिन मौजूदा नीतिगत शर्तों के अतिरिक्त अधिकतम पांच लाख टन तक निर्यात की विशेष अनुमति दी जाएगी। इसके लिए इच्छुक निर्यातकों को डीजीएफटी से पूर्व अनुमति प्राप्त करनी होगी। पहले चरण में निर्यात अनुमति के लिए आवेदन 21 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 के बीच स्वीकार किए जाएंगे। इसके बाद, जब तक निर्धारित निर्यात कोटा शेष रहेगा, प्रत्येक माह के अंतिम दस दिनों में आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। जारी की गई निर्यात अनुमति की वैधता निर्गमन की तिथि से छह माह तक होगी। डीजीएफटी के अनुसार, इस योजना के तहत निर्यातक, आटा मिलें और प्रसंस्करण इकाइयां आवेदन करने के पात्र होंगी।

शेयर बाजार में डिफ्रेल टेक का दमदार पदार्पण,उतार चढ़ाव के बीच निवेशकों को मिला लाभ

नई दिल्ली। रबर पार्ट्स और कंपोनेंट्स निर्माण से जुड़ी कंपनी डिफ्रेल टेक ने शेयर बाजार में प्रभावशाली शुरुआत की। आईपीओ के तहत 74 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर जारी हुए कंपनी के शेयरों ने बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर 28 प्रतिशत से अधिक प्रीमियम के साथ 95 रुपये पर लिस्टिंग दर्ज कराई। कारोबार शुरू होते ही शेयरों में जोरदार खरीदारी देखने को मिली, जिससे भाव तेजी से बढ़कर 99.75 रुपये के अपर सर्किट स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, ऊपरी स्तरों पर मुनाफावसूली हावी होते ही शेयरों पर बिकवाली का दबाव बढ़ गया। इसके चलते दोपहर बाद शेयर फिसलकर 90.25 रुपये के लोअर सर्किट स्तर पर आ गया और इसी भाव पर कारोबार समाप्त हुआ। पहले दिन के उतार-चढ़ाव के बावजूद आईपीओ में निवेश करने वालों को करीब 22 प्रतिशत का लाभ मिला।

आईपीओ को मिला समर्थन

डिफ्रेल टेक का 13.77 करोड़ रुपये का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम 9 से 13 जनवरी के बीच खुला था, जिसे निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। यह आईपीओ कुल मिलाकर 105.54 गुना सब्सक्राइब हुआ। क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स के लिए आरक्षित हिस्से में 71.09 गुना, नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों के हिस्से में 160.95 गुना और रिटेल निवेशकों के कोटे में 101.28 गुना सब्सक्रिप्शन दर्ज किया गया। इस निर्गम के तहत 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 18.60 लाख नए शेयर जारी किए गए। आईपीओ से जुटाई गई राशि का उपयोग कंपनी नए उपकरण और मशीनरी की खरीद, सोलर पैनल स्थापना, कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं की पूर्ति तथा अन्य कॉरपोरेट जरूरतों में करेगी।

विश्राम नहीं लेंगे गिल, रणजी में खेलेंगे

कप्तान के रूप में गिल का वनडे में रिकॉर्ड

मैच	जीत	हार
6	2	4

- न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज गंवाने के बाद भारतीय वनडे कप्तान ने लिया फैसला
- रणजी के अगले दौर के मुकाबले गुरुवार से खेले जाएंगे

एजेंसी | नई दिल्ली

घर में 37 साल में न्यूजीलैंड से पहली बार एकदिवसीय सीरीज हारने के बाद भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने ब्रेक नहीं लेने का फैसला किया है। कीवी टीम से 1-2 से सीरीज हारने के बाद गिल ने विश्राम नहीं करने का फैसला किया है। अब वह पंजाब की तरफ से सौराष्ट्र के खिलाफ गुरुवार से राजकोट में शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी मुकाबले में खेलेंगे।

नॉकआउट पर नजर

इस 26 वर्षीय खिलाड़ी का लक्ष्य पंजाब को रणजी ट्रॉफी के नॉकआउट में पहुंचाना होगा। गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के तीनों मैच में खेले थे। लेकिन उसके बाद उन्होंने विश्राम करने के बजाय तुरंत ही लाल गेंद के क्रिकेट में लौटने का विकल्प चुना है क्योंकि वह भारत की टी-20 विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं हैं। पंजाब टीम के एक सूत्र ने कहा, शुभमन ने वनडे सीरीज के बाद विश्राम नहीं करने का फैसला किया है। उन्हें इंदौर से राजकोट पहुंचने में आठ घंटे का समय लगा क्योंकि वहां से कोई सीधी उड़ान उपलब्ध नहीं है।

आसान नहीं होगी गिल की राह

हालांकि रणजी में भी गिल की राह आसान नहीं होगी। पंजाब की टीम फिलहाल ग्रुप बी में पांच मैचों में 11 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। ऐसी स्थिति में उसे अगले दौर में जगह बनाने के लिए अपने बाकी बचे तीनों मैच में जीत हासिल करनी होगी। इसमें कोई शतक नहीं कि गिल की वापसी से उसकी बल्लेबाजी को मजबूती मिलेगी, जो इस सीजन में अब तक अस्थिर रही है। घरेलू क्रिकेट की मौजूदा दिग्गज टीम सौराष्ट्र के खिलाफ यह मैच गिल का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान गर्दन में चोट लगने के बाद पहला क्रिकेट मैच होगा जिसके चलते वे लंबे समय तक प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर रहे थे। वैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती जिम्मेदारियों के बावजूद, भारतीय कप्तान ने अक्सर फॉर्म और मैच फिटनेस बनाए रखने के लिए घरेलू क्रिकेट के महत्व पर जोर दिया है।

लंबी पारी खेलना चाहेंगे

गिल ने रणजी खेलने का फैसला संभवत: इसलिए किया कि वह लंबी पारी खेलना चाहते हैं। उन्होंने रविवार को न्यूजीलैंड से हार के बाद संवाददाताओं से कहा, ऐसा नहीं है कि हमने खराब बल्लेबाजी की। बात यह थी कि हम पर्याप्त देर तक बल्लेबाजी नहीं कर पाए। जब बल्लेबाजों को अच्छी शुरुआत मिलती है और वे उसे बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाते तो स्थिति बहुत मुश्किल हो जाती है। हमारे कम से कम दो बल्लेबाजों को लंबी पारी खेलनी चाहिए थी। यही उनके और हमारे बीच का अंतर रहा।

इगा और कोको सहित प्रमुख खिलाड़ी दूसरे दौर में

एजेंसी | मेलबर्न

दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी इगा स्वियातेक ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंक के दूसरे दौर में पहुंच गई हैं। उनके साथ ही कोको गफ, अमांडा एनिसिमोवा और जेसिका पेगुला सहित अन्य प्रमुख खिलाड़ियों ने भी दूसरे दौर का टिकट कटा लिया।

मेहनत करनी पड़ी

पिछले साल विम्बलडन जीत चुकीं स्वियातेक को सोमवार को पहले दौर में चीन की क्वालीफायर और 130वीं रैंकिंग वाली युआन युइ को 7-6, 6-3 से हराने में काफी मेहनत करनी पड़ी। चार फ्रेंच ओपन और 2022 में यूएस ओपन जीत चुकीं इगा अभी तक मेलबर्न पार्क पर खिताब नहीं जीत सकी हैं। वहीं 2020 की चैंपियन सोफिया केनिन अमेरिका की ही पेटोन स्टीयर्न्स से 3-6, 2-6 से हारकर बाहर हो गईं।

फेलिक्स मैच से हटे

कनाडा के सातवीं रैंकिंग वाले फेलिक्स आगर अलिआसिमे चोट के कारण पुर्तगाल के नुनो बोर्गेस के खिलाफ मैच से बीच में रिटायर हो गए। बोर्गेस उस समय 3-6, 6-4, 6-4 से आगे थे। स्विट्जरलैंड के स्टैन वावरिंका ने लास्लो जेरे को 5-7, 6-3, 6-4, 7-6 से हराया। उन्होंने पिछले महीने घोषणा की थी कि यह उनका आखिरी सत्र होगा। तीन बार के उपविजेता दानिल मेदवेदेव ने जेस्पर डि जोंग को 7-5, 6-2, 7-6 से मात दी। वहीं 19वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने अलेक्जेंडर कोवासेविच को 6-4, 6-3, 6-3 से हराया।

कोको भी जीतीं

कोको गफ ने पहले दौर में कामिला रखिमोवा को 6-2, 6-3 से पराजित किया। दो ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता गफ मेलबर्न पार्क में कभी सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई हैं। पिछले साल वह क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई थीं। अब उनका सामना ओल्गा डैनिलोविच से होगा। डैनिलोविच ने पहले दौर में 45 वर्षीय वीनस विलियम्स को हराया था। पिछले दो ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचने वालीं और विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान की अमांडा अनिसिमोवा ने सिमोना वाल्टरट को 6-3, 6-2 से, नंबर छह जेसिका पेगुला ने अनास्तासिया जखारोवा को 6-2, 6-1 से और नंबर 14 क्लारा टौसन ने डाल्मा गाल्फी को 6-3, 6-3 से हराया। आठवीं रैंकिंग वाली मीरा आंद्रीवा, 17वीं रैंकिंग वाली विक्टोरिया एमबोको और 25वीं रैंकिंग वाली पाउला बाडोसा भी दूसरे दौर में पहुंच गईं।

मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की नजरें वापसी करने पर

डब्ल्यूपीएल

वडोदरा। मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स की टीमें मंगलवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में आमने-सामने होंगी। इस मुकाबले में उनका लक्ष्य अपना अभियान वापस पटरी पर लाना होगा। हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली मुंबई इंडियंस की टीम ने अब तक पांच मैचों में सिर्फ दो जीत हासिल की है। उसके खिलाड़ी अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में नाकाम रहे हैं। मुंबई ने बेंगलुरु (आरसीबी) से हार के साथ शुरुआत की, लेकिन दूसरे मैच में 195 रन का बचाव करते हुए सबसे निचले पायदान पर काबिज दिल्ली कैपिटल्स को 50 रन से करारी शिकस्त दी। गुजरात पर सात विकेट की जीत ने मुंबई के अभियान को कुछ गति दी, लेकिन यूपी वॉरियर्स के खिलाफ लगातार दो हार से टीम फिर बैकफुट पर चली गई।

सेनेगल बना अफ्रीका कप ऑफ नेशंस चैंपियन

रबात। सेनेगल ने अतिरिक्त समय में पेप गुये के गोल से मेजबान मोरक्को को 1-0 से हराकर अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। सेनेगल ने दूसरी बार खिताब जीता है। इससे पहले वह 2021 में चैंपियन बना था। तनावपूर्ण परिस्थितियों में खेले गए फाइनल में एक समय प्रशंसक सुरक्षाकर्मियों से भिड़ गए थे। इससे 14 मिनट तक खेल नहीं हो सका। खेल शुरू होने पर सेनेगल के एडुआर्ड मेंडी ने ब्राहिम डियाज की पेनाल्टी को बचा लिया। फिर गुये ने अतिरिक्त समय के चौथे मिनट में विजयी गोल दागा। मेजबान मोरक्को की हार के कारण 69,500 दर्शकों की क्षमता वाला प्रिंस मौले अब्देललाह स्टेडियम अंतिम सीटी बजते ही खाली होने लगा और सेनेगल के खिलाड़ियों को ट्रॉफी उठाते हुए देखने को बहुत कम लोग बचे थे।

12 साल बाद दूसरा खिताब जीतने की चुनौती

- सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट का आज से होगा आगाज
- नौ साल से कोई भारतीय यहां खिताब हासिल नहीं कर सका है

इंडोनेशिया मास्टर्स

जकार्ता। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियो को मंगलवार से एक और चुनौती का सामना करना है। पिछले सप्ताह घर में खेले गए इंडिया ओपन के निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़कर अब उन्हें इंडोनेशिया मास्टर्स में दिग्गज विदेशियों का सामना करना होगा। इसमें सबसे बड़ी चुनौती पूर्व चैंपियन एच एस प्रणय के सामने होगी जिन्होंने 2014 में ट्रॉफी हासिल की थी। हालांकि उन्हें काफी मुश्किल ड्रॉ मिला है।

नंबर गेम

02 खिताब अभी तक भारतीय खिलाड़ियों ने इस टूर्नामेंट में हासिल किए हैं

07 साल पहले साइना नेहवाल ने कैरोलिना मारीन को हरा खिताब जीता था

खराब रहा था प्रदर्शन

पिछले सप्ताह नई दिल्ली में इंडिया ओपन में लक्ष्य सेन पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गए थे। भारत का कोई भी खिलाड़ी किसी भी वर्ग में अंतिम आठ से आगे नहीं बढ़ पाया था। चीनी ताइपे के लिन चुन यी और कोरिया की विश्व में नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग ने क्रमश: पुरुष और महिला एकल खिताब जीता। अब सारा ध्यान जकार्ता में 5,00,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट पर केंद्रित हो गया है, जहां भारतीय खिलाड़ियों को मुश्किल ड्रॉ मिला है।

बॉ ली वु ड

अक्षय और अनीस बज्मी फिर देंगे कॉमेडी की डोज

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार और निर्देशक अनीस बज्मी का याराना सालों पुराना है। दोनों ने 'वेलकम', 'सिंह इज किंग' और 'वेलकम' जैसी कई फिल्मों में साथ काम किया है और 15 साल बाद यह जोड़ी दोबारा से धमाल मचाने के लिए तैयार है। चर्चा तो काफी समय से है कि अक्षय और अनीस एक कॉमेडी फिल्म के लिए साथ आए हैं जिसका हिस्सा विद्या बालन भी बन गई हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय और अनीस एक कॉमेडी फिल्म के लिए साथ आए हैं। अंदरूनी सूत्रों ने बताया, ₹यह अनीस बज्मी की क्लासिक कॉमेडी है जिसमें तेज स्पीड वाले सीन्स, कई किरदारों से पैदा हुई उलझनें और मजेदार परिस्थितियां हैं।₹ उन्होंने आगे कहा, ₹शूटिंग मूल रूप से फरवरी, 2026 से शुरू होनी थी। हालांकि अभिनेत्री समेत अन्य कलाकार इस परियोजना से बाद में जुड़ेंगे, लेकिन सुपरस्टार के साथ फिल्म की शूटिंग 20 जनवरी से शुरू होगी

इन जगहों पर शूटिंग करने की योजना

रिपोर्ट के मुताबिक, अनीस और अक्षय की इस फिल्म का शीर्षक अभी तय नहीं हुआ है। हालांकि शूटिंग का पहला दिन मुंबई के गोरेगांव स्थित रॉयल गोल्ड स्टूडियो में होगा। निर्माताओं ने यहां एक भव्य इनडोर सेट तैयार करवाया है। 5 हफ्ते के कार्यक्रम के दौरान, अनीस कई इनडोर दृश्यों की शूटिंग करेंगे। इसके बाद फिल्म के दूसरे चरण के लिए टीम दिल्ली के लिए रवाना होगी। अक्षय को आने वाले दिनों में 'भूत बंगला' और 'हैवान' में देखा जाएगा।

'लव एंड वार' पर फिर लगा ग्रहण

फिल्मों की रिलीज तारीख में उलटफेर होना आजकल आम बात हो चुकी है। पहले 'धुरंधर 2' की रिलीज (19 मार्च, 2026) के चलते 'भूत बंगला', 'अल्फा' और 'आवारापन 2' जैसी कुछ फिल्मों की रिलीज तारीख को बदल दिया गया। अब संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'लव एंड वार' से जुड़ी चौंकाने और दिल तोड़ने वाली खबर आई है। पहले फिल्म अगस्त, 2026 में रिलीज के लिए तय मानी जा रही थी, लेकिन अब ऐसा नहीं हो सकेगा। 'लव एंड वार' से जुडे.सूत्र का कहना है कि फिल्म के निर्माण का एक बड़ा हिस्सा अभी बाकी है। इस कारण रिलीज जनवरी या फरवरी, 2027 में संभव हो सकती है। योजना के अनुसार, फिल्म की मुख्य शूटिंग जून में पूरी हो जाएगी। इसके बाद प्री-प्रोडक्शन का काम शुरू होगा। इस बदलाव का एक बड़ा कारण फिल्म का विशाल आकार है। फिल्म में बड़े-बड़े हवाई एक्शन दृश्य हैं जिन्हें VFX द्वारा फिल्माने में काफी समय लगेगा।

'भ्रष्ट धर्मगुरु' लीग में शामिल हुए चंद्रचूड़

'माचिस' और 'आमदनी अठन्नी खर्चा रुपैया' जैसी फिल्मों में नजर आ चुके अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह ने लंबे समय के बाद वेब सीरीज 'आर्या' से पर्दे पर वापसी की थी। इसके बाद से वह फिल्मों में लगातार सक्रिय हैं और अब आगामी परियोजना को लेकर चर्चा में हैं। खबर है कि चंद्रचूड़ फिल्मी पर्दे पर ऐसा किरदार निभाने वाले हैं जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया। उनका यह किरदार हुमा कुरैशी की आगामी फिल्म 'बयान' में देखने को मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, चंद्रचूड़ को फिल्म 'बयान' में खलनायक का किरदार निभाते हुए देखा जाएगा। उनका यह किरदार 'भ्रष्ट धर्मगुरु' का होने वाला है। जाहिर है कि चर्चित सीरीज 'आश्रम' में बॉबी देओल ने 'भ्रष्ट धर्मगुरु' का किरदार निभाकर खूब प्रसिद्धी हासिल की थी।

हॉलीवुड फिल्म निर्देशक रोजर एलर्स का निधन

हॉलीवुड सिनेमा से एक दुखद खबर आई है। जाने-माने फिल्म निर्देशक रोजर एलर्स का निधन हो गया है जिससे इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई। रोजर 76 साल के थे, उन्होंने कैलिफोर्निया के सांता मोनिका स्थित अपने घर में आखिरी सांस ली है।

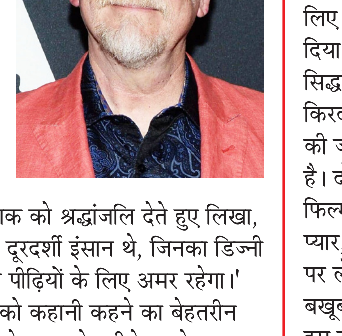

इस दुखद खबर की पुष्टि डिज्नी के CEO बॉब इगर की ओर से एक आधिकारिक बयान के जरिए की गई है। बता दें कि रोजर ने डिज्नी की कई एनिमेटेड फिल्मों में अपना योगदान दिया था। डिज्नी के CEO ने फिल्म निर्देशक को श्रद्धांजलि देते हुए लिखा, 'रोजर एक रचनात्मक दूरदर्शी इंसान थे, जिनका डिज्नी में योगदान आने वाली पीढ़ियों के लिए अमर रहेगा।' उन्होंने लिखा, 'रोजर को कहानी कहने का बेहतरीन तरीका मालूम था। उनके काम ने एनीमेशन के एक युग को परिभाषित करने में मदद की है जो दुनियाभर के दर्शकों को प्रेरित करता रहता है।

'दो दीवाने सहर में' का टीजर जारी

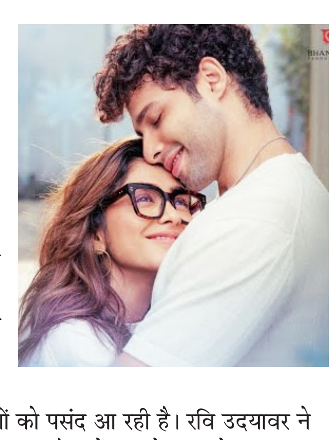

संजय लीला भंसाली प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म 'दो दीवाने सहर में' इस वैलेंटाइन पर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। निर्माताओं ने लोगों का उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म का टीजर जारी कर दिया है। मृणाल ठाकुर और सिद्धांत चतुर्वेदी फिल्म में मुख्य किरदार निभा रहे हैं और दोनों की जोड़ी दमदार नजर आई है। दोनों की फ्रेश केमिस्ट्री लोगों को पसंद आ रही है। रवि उदयावर ने फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है। 'दो दीवाने सहर में' का टीजर प्यार, खूब सारे इमोशन, जज्बातों और उनसे जुड़ी संभावनाओं की यात्रा पर ले जाता है। 90 के दशक वाली प्रेम कहानी को मॉर्डन तरीके से बखूबी पेश किया गया है। वहीं आइकॉनिक गाना 'दो दीवाने सहर में' इस टीजर को रोमांटिक टच देता है। कुल मिलाकर फिल्म की कहानी दर्शकों को प्यार के साथ सुकून का एहसास दिलाने का संकेत देती है। यह फिल्म 20 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

▸▸ सिर्फ गाली देना एससी/एसटी एक्ट के तहत अपराध नहीं

▸▸ अपराध सिद्ध करने के लिए जातिगत अपमान या धमकी का ठोस प्रमाण जरूरी : सुको

एसी/एसटी एक्ट पर 'सुप्रीम' फैसला

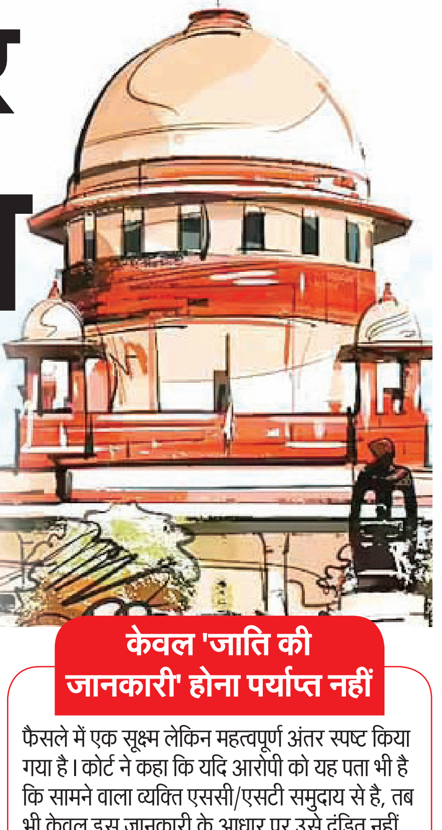

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में स्पष्ट किया है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत किसी व्यक्ति पर मुकदमा चलाने के लिए केवल अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल पर्याप्त नहीं है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि इस कानून के तहत अपराध तब माना जाएगा, जब अपशब्दों का प्रयोग विशेष रूप से किसी व्यक्ति को उसकी जाति के आधार पर सार्वजनिक रूप से अपमानित करने के इरादे से किया गया हो।

पटना हाई कोर्ट का आदेश रद्द

शीर्ष अदालत ने यह टिप्पणी केशव महतो उर्फ केशव कुमार महतो द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। महतो ने पटना उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें ट्रायल कोर्ट द्वारा जारी समन आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया गया था। महतो पर एक आंगनवाड़ी केंद्र में गाली-गलौज और मारपीट का आरोप था, जिसके आधार पर एससी/एसटी एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने अब इस आपराधिक कार्यवाही को पूरी तरह रद्द कर दिया है। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि ट्रायल कोर्ट और हाई कोर्ट दोनों ने इस मामले में कानूनी प्रक्रिया को जारी रखने में गलती की है। न्यायालय ने गौर किया कि न तो मूल प्राथमिकी (FIR) में और न ही पुलिस की चार्जशीट में कहीं भी यह आरोप लगाया गया था कि अपीलकर्ता ने जाति-आधारित अपमान किया या जाति के नाम पर धमकी दी।

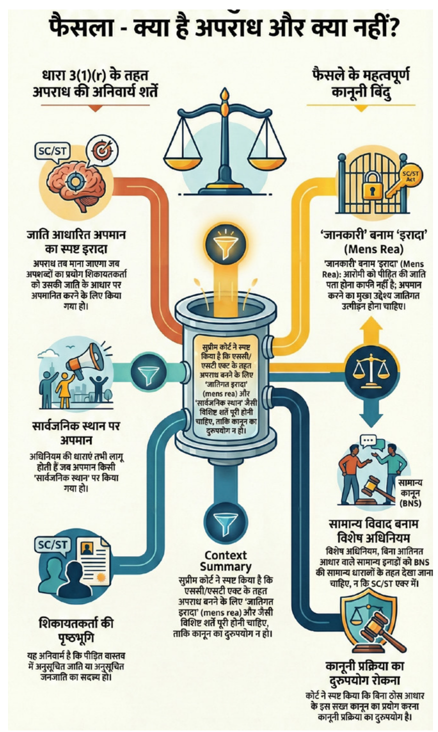

धारा 3(1)(r) की दो अनिवार्य शर्तें

सुप्रीम कोर्ट ने कानून की धारा 3(1)(r) का हवाला देते हुए बताया कि किसी व्यक्ति को दोषी ठहराने के लिए दो शर्तों का पूरा होना अनिवार्य है। पहली शर्त यह कि शिकायतकर्ता वास्तव में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का सदस्य हो। दूसरी और सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह कि आरोपी ने जो अपमान या धमकी दी है, वह शिकायतकर्ता के उस विशेष समुदाय का सदस्य होने के कारण ही दी गई हो।

सार्वजनिक स्थान और अपमान का इरादा

कानून के प्रावधानों को दोहराते हुए पीठ ने कहा कि जो कोई भी व्यक्ति, जो स्वयं एससी/एसटी का सदस्य नहीं है, जानबूझकर किसी सदस्य को 'सार्वजनिक स्थान' पर अपमानित करता है, वही दंड का पात्र है। यदि विवाद सामान्य है और उसमें जातिगत अपमान का तत्व शामिल नहीं है, तो उसे भारतीय न्याय संहिता (BNS) की सामान्य धाराओं के तहत देखा जाना चाहिए।

केवल 'जाति की जानकारी' होना पर्याप्त नहीं

फैसले में एक सूक्ष्म लेकिन महत्वपूर्ण अंतर स्पष्ट किया गया है। कोर्ट ने कहा कि यदि आरोपी को यह पता भी है कि सामने वाला व्यक्ति एससी/एसटी समुदाय से है, तब भी केवल इस जानकारी के आधार पर उसे दंडित नहीं किया जा सकता। जब तक अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर देता कि अपमान करने का 'इरादा' (Mens Rea) पीड़ित की जाति को नीचा दिखाना था, तब तक इस विशेष अधिनियम की धाराएं लागू नहीं होंगी।

कानूनी नजीर बनेगा यह फैसला

सुप्रीम कोर्ट के इस रुख से भविष्य में एससी/एसटी एक्ट के तहत दर्ज होने वाले फर्जी या बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए मामलों पर लगाम लगने की उम्मीद है। न्यायालय ने पूर्व के कई फैसलों का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि विशेष कानूनों का प्रयोग बहुत सावधानी से किया जाना चाहिए, ताकि निर्दोष व्यक्तियों को बिना ठोस आधार के लंबी न्यायिक प्रक्रिया और कठोर दंड का सामना न करना पड़े। यह फैसला दलित और आदिवासी अधिकारों की सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच एक संतुलन बनाने का प्रयास है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि एससी/एसटी एक्ट का उद्देश्य ऐतिहासिक अन्याय को रोकना और सम्मान बहाल करना है, न कि इसे हर सामान्य झगड़े में एक हथियार की तरह इस्तेमाल करना।

चट्टोग्राम वकील हत्याकांड

हिंदू नेता चिन्मय समेत 39 पर आरोप तय

▸▸ फिलहाल 23 आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं और 16 आरोपी फरार

भारी सुरक्षा के बीच कोर्ट में पेशी

सोमवार को सुनवाई के दौरान चट्टोग्राम कोर्ट परिसर किसी किले में तब्दील नजर आया। किसी भी संभावित सांप्रदायिक तनाव या अप्रिय घटना को रोकने के लिए लगभग 900 अतिरिक्त सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था। चिन्मय कृष्ण दास को कड़ी सुरक्षा के घेरे में अदालत लाया गया, जहाँ उन्होंने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

एजेंसी । ढाका/चट्टोग्राम

बांग्लादेश की एक विशेष अदालत ने चट्टोग्राम के वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की नृशंस हत्या के मामले में 'संम्मिलितो सनातनी जागरण जोत' के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास सहित 39 आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय कर दिए हैं। चट्टोग्राम डिविजनल स्पीडी ट्रायल ट्रिब्यूनल के न्यायाधीश मोहम्मद जाहिदुल हक ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश जारी किया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, चिन्मय कृष्ण दास पर हत्या की धारा 302 और साजिश रचने की धारा 109 के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।

हत्या मामले में जमानत खारिज

अभियोजन पक्ष ने स्पष्ट किया कि इस हत्याकांड में कुल 39 लोगों को नामजद किया गया है। वर्तमान में 23 आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि 16 अन्य अभी भी फरार बताए जा रहे हैं। कोर्ट ने फरार आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। चिन्मय कृष्ण दास को इससे पहले 11 दिसंबर को भी जमानत देने से इनकार कर दिया गया था।

क्या है पूरा मामला?

यह विवाद 25 नवंबर, 2024 को शुरू हुआ था जब चिन्मय कृष्ण दास को ढाका से देशद्रोह के एक कथित मामले में गिरफ्तार किया गया था। अगले दिन यानी 26 नवंबर को जब चट्टोग्राम की अदालत ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी, तो उनके समर्थकों और पुलिस के बीच भारी हिंसक झड़प हुई। इसी हिंसा के दौरान कोर्ट परिसर के बाहर वकील सैफुल इस्लाम अलिफ की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी, जिसने पूरे देश में आक्रोश पैदा कर दिया था।

न्यूज़ ब्रीफ

कांग्रेस ने भाजपा पर एसआईआर में वोट काटने का लगाया आरोप

जयपुर। कांग्रेस ने राजस्थान में चुनाव आयोग पर भाजपा के साथ उसके समर्थक मतदाताओं के नाम कटवाने का आरोप लगाया है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि यह साजिश मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत रची जा रही है। गोविंद डोटासरा और टीकाराम जूली ने नाम कटवाने के लिए जमा किए गए सभी फॉर्म की फॉरेंसिक जांच कराने की भी मांग की है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में एसआईआर की प्रक्रिया के बाद जो मसौदा सूची जारी हुई, इसमें 45 लाख लोग अनुपस्थित, स्थानांतरित और मृत की श्रेणी में पाए गए।

लेह में आया 5 .7 तीव्रता का भूकंप

लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लेह में सोमवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5 .7 मापी गई है। इस भूकंप के झटके कश्मीर घाटी में भी महसूस किए गए है। भूकंप के झटकों से इमारतें हिलने लग गई। इसके बाद लोग डर के चलते घरों से बाहर आ गए। इससे हुए नुकसान के संबंध में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र की रिपोर्ट के अनुसार, भूकंप भारतीय समयानुसार सुबह 11 :51 :14 बजे आया। इसका केंद्र 36 .71 उत्तर और 74 .32 पूर्व में जमीन से 171 किलोमीटर की गहराई में था। लेह के ऊंचाई वाला क्षेत्र होने के कारण इतनी गहराई में भूकंप आने के बाद भी जम्मू-कश्मीर में इसके झटके महसूस किए गए। चेतावनी के साथ जारी तीव्रता मानचित्र से पता चलता है कि मध्य एशिया के कुछ हिस्सों में भी इस भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं।

जम्मू–कश्मीर में आतंकी मुठभेड़ में घायल जवान शहीद

किश्तवाड़। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में आतंकियों की तलाश के दौरान रविवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान 8 जवान घायल हो गए थे। इनमें से एक जवान की सोमवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। शहीद जवान की पहचान हवलदार गजेंद्र सिंह के रूप में हुई है। किश्तवाड़ में दूसरे दिन भी सर्च ऑपरेशन जारी रहा। अधिकारियों के मुताबिक, जंगलों में पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 2 से 3 आतंकी छिपे हुए हैं। आतंकियों को पकड़ने के लिए सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों की कई टीमें इलाके में तैनात हैं। ड्रोन और स्निफर डॉग्स की मदद से जंगलों में तलाशी ली जा रही है। दरअसल, सेना ने रविवार को किश्तवाड़ के तरू बेल्ट में मंडराल-सिंहपोरा के पास सोनार गांव के जंगलों में ऑपरेशन त्राशी-1 शुरू किया था। इसी दौरान आतंकियों से मुठभेड़ हो गई थी।

4 महिला समेत 6 माओवादी ढेर

एजेंसी । बस्तर

छत्तीसगढ़ में बस्तर के नक्सल प्रभावित बीजापुर में सुरक्षा बलों ने बड़ी सफलता हासिल की है। यहां 4 महिला समेत 6 इनामी माओवादियों को मार गिराया गया है। सुरक्षा बलों ने 17 जनवरी को एक गोपनीय सूचना के बाद नेशनल पार्क इलाके में छापा मारा था, तभी माओवादियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इस दौरान 27 लाख रुपये के 6 माओवादी मारे गए, जिसमें खूंखार नक्सली दिलीप बेड़जा भी शामिल है। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं।

27 लाख रुपये का था इनाम

दो दिन चली मुठभेड़

बीजापुर के पुलिस अधीक्षक डॉ जितेंद्र यादव ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह मुठभेड़ 17 जनवरी को शुरू हुआ था, जो 18 जनवरी को भी जारी रहा। इसके बाद, जिला रिजर्व गार्ड (DRG) बीजापुर, DRG दंतेवाड़ा, विशेष कार्य बल (STF), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) और उसकी कोबरा यूनिट के जवानों ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया। इस दौरान शनिवार को 4 और रविवार को 4 माओवादियों को मार गिराया गया।

कौन-कौन माओवादी मारा गया?

यादव ने बताया कि माओवोदियों के नेशनल पार्क एरिया कमेटी इंचार्ज DVCM दिलीप बेड़जा 8 लाख रुपये का इनाम घोषित था। उसके ऊपर 135 मामले दर्ज थे। इसके अलावा नक्सली माड़वी कोसा पर 5 लाख, पालो पोड़ियम पर 5 लाख, लक्खी मड़कम पर 5 लाख, नक्सली जुगलो बंजाम पर 2 लाख और नक्सली राधा मेट्टा पर 2 लाख रुपये का इनाम घोषित था। दिलीप नेशनल पार्क एरिया कमेटी का प्रभारी था।

बीजापुर में 2025 में 163 माओवादी मारे गए

पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृत माआवोदियों के पास से 2 AK47 रायफल, 3 मैगजीन, 32 राउंड बुलेट, 1 इंसास रायफल, 2 मैगजीन, 30 राउंड बुलेट, 2 थ्री नॉट थ्री रायफल, 1 मैगजीन, 20 राउंड बुलेट, 1 कार्बाइन, एक मैगजीन, 1 BGL लॉन्चर और 8 BGL सेल बरामद हुआ है। उन्होंने बताया कि पिछले साल 2025 में बीजापुर में कुल 163 माओवादी मारे गए हैं और इस साल अभी तक 8 माओवादी ढेर हुए हैं।

भारत आए यूएई के राष्ट्रपति

▸▸ प्रोटोकॉल तोड़ एयरपोर्ट पर स्वागत करने पहुंचे पीएम मोदी

एजेंसी । नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान सोमवार शाम एक दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर देश की राजधानी दिल्ली पहुंचे। भारत के लिए इस यात्रा के महत्व का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजनयिक प्रोटोकॉल तोड़ते हुए स्वयं हवाई अड्डे जाकर यूएई के राष्ट्रपति का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री के निमंत्रण पर हो रही यह यात्रा दोनों देशों के बीच तेजी से बढ़ते 'रणनीतिक विश्वास' का परिचायक है।

एक दशक में पांचवीं भारत यात्रा

शेख नाहयान का राष्ट्रपति पद संभालने के बाद यह तीसरा आधिकारिक भारत दौरा है, जबकि पिछले 10 वर्षों में वे पांचवीं बार भारत आए हैं। यह निरंतरता दर्शाती है कि भारत अब यूएई की विदेश नीति के केंद्र में है। हाल ही में सितंबर 2024 में अबू धाबी के शहजादा और अप्रैल 2025 में दुबई के क्राउन प्रिंस की भारत यात्राओं ने जिस गति को जन्म दिया था, राष्ट्रपति की यह यात्रा उसे शिखर तक पहुँचाने का काम करेगी।

पश्चिम एशिया के बदलते समीकरण और भारत

यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब पश्चिम एशिया (मिडल ईस्ट) अत्यधिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव, गाजा संकट और लाल सागर (Red Sea) में सुरक्षा चुनौतियों ने पूरे क्षेत्र को प्रभावित किया है। ऐसे में यूएई भारत को एक 'स्थिर और भरोसेमंद' साझेदार के रूप में देख रहा है। दोनों नेताओं के बीच होने वाली उच्च-स्तरीय वार्ता में क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर गहन चर्चा होने की संभावना है।

सऊदी अरब और यूएई के बीच बढ़ता तनाव

खाड़ी क्षेत्र की दो महाशक्तियों—सऊदी अरब और यूएई—के बीच हाल के दिनों में उभरे मतभेद इस यात्रा की एक महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि हैं। विशेष रूप से दक्षिणी यमन को लेकर दोनों देशों के बीच रणनीतिक होड़ मची हुई है। सऊदी अरब ने यूएई पर वहां के अलगाववादी समूहों को समर्थन देने का आरोप लगाया है। यह तनाव केवल यमन तक सीमित नहीं है, बल्कि 'रेड सी कॉरिडोर' और 'बाब-अल-मंडेब' जलडमरूमध्य पर प्रभाव बढ़ाने की प्रतिस्पर्धा से भी जुड़ा है। लाल सागर और बाब-अल-मंडेब का क्षेत्र वैश्विक व्यापार के लिए जीवन रेखा के समान है। दिसंबर 2025 में दक्षिणी यमन में बढ़ी सैन्य हलचल के बाद रियाद ने तुर्की, पाकिस्तान और कतर के साथ मिलकर एक नया गुट तैयार किया है।

कुंवर शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने में देरी, सुप्रीम कोर्ट नाराज

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी करने वाले मंत्री कुंवर विजय शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने में देरी को लेकर मध्य प्रदेश की सरकार पर नाराजगी जताई। भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत, दीपांकर दत्ता और जॉयमाल्य बागची की पीठ ने भाजपा सरकार से कहा कि वह जल्द शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने पर फैसला ले। बता दें कि कोर्ट के आदेश पर विशेष जांच दल (SIT) मामले की जांच कर रही है।

कोर्ट ने क्या कहा?

CJI सूर्यकांत ने सरकार से कहा कि आप 19 अगस्त, 2025 से SIT रिपोर्ट पर विचार कर रहे हैं। कानून आप पर दायित्व डालता है। आपको निर्णय लेना होगा। अब 19 जनवरी है। कोर्ट ने SIT की सीलबंद रिपोर्ट खोलकर पाया कि जांच के बाद, उसने शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सरकार की मंजूरी मांगी है।

क्या है मामला?

भारत-पाकिस्तान तनाव के समय कर्नल कुरैशी 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में मीडिया को जानकारी देने के लिए अधिकृत थीं। तब शाह ने रायकुंडा गांव में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में यह कहकर विवाद खड़ा किया कि जिन लोगों ने हमारी बेटियों को विधवा बनाया, उन्हें सबक सिखाने के लिए हमने उन्हीं की एक बहन को भेजा है।₹ इस पर विरोध के बाद, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया और शाह के खिलाफ FIR दर्ज करने का आदेश दिया।

प्रणय-राधिका रॉय को राहत

▸▸ दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रणय-राधिका रॉय के खिलाफ आयकर नोटिस रद्द किया, विभाग पर जुर्माना ठोका

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को NDTV के संस्थापकों प्रणय रॉय और राधिक रॉय को जारी किए गए आयकर पुनर्मूल्यांकन नोटिस रद्द कर दिए हैं। यह नोटिस दोनों को मार्च 2016 में RRPR होल्डिंग (NDTV के प्रवर्तक) को दिए गए कुछ ब्याज मुक्त ऋणों के संबंध में जारी किए गए थे। न्यायमूर्ति दिनेश मेहता और विनोद कुमार की खंडपीठ ने आयकर विभाग पर इस संबंध में नोटिस जारी करने के लिए 2 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। मामले पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि इन मामलों में किसी प्रकार की लागत पर्याप्त नहीं हो सकती, फिर भी आयकर विभाग प्रणय रॉय और राधिका रॉय दोनों को सांकेतिक लागत के रूप में 1 लाख रुपये का भुगतान करेगा। कोर्ट ने कहा, ₹उपरोक्त चर्चा के निष्कर्ष स्वरूप, दोनों रिट याचिकाएं स्वीकार की जाती हैं।

आरएसएस-बीजेपी कुछ उद्योगपतियों के हाथों देश बेचना चाह रही : राहुल गांधी

एजेंसी । तिरुवनंतपुरम

राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि RSS और BJP चाहती है कि जनता सवाल न करें और चुप रहें, ताकि यह कुछ बिजनेसमैन के हाथों देश को बेच सकें। राहुल केरल के कोच्चि में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम ऐसा बिल्कुल नहीं होने देंगे। कांग्रेस ही संविधान को बचा सकती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संविधान में बदलाव करके पंचायत, जिला और राज्य स्तर पर शासन को मजबूत किया। संविधान बचाने का मतलब है सत्ता और फैसलों का अधिकार लोगों तक पहुंचाना। राहुल ने कहा कि RSS और BJP सत्ता को अपने पास ही रखना चाहती हैं, लेकिन कांग्रेस सत्ता को नीचले स्तर तक पहुंचाने में भरोसा रखती है और गांव-कस्बों में लोकतंत्र को मजबूत करना चाहती है।

'चुप रहने की संस्कृति में लालच की भावना'

इससे पहले राहुल ने एक कार्यक्रम में कलामासेरी में डॉ. एम लीलावती को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रियदर्शिनी साहित्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस दौरान राहुल ने कहा कि कोई भी देश अगर चुप रहता है तो वो महान नहीं हो सकता। चुप रहने की संस्कृति में लालच की भावना छुपी होती है। उन्होंने कहा कि महान राष्ट्र और महान लोग तब बनते हैं, जब वे अपने विचार और राय खुलकर व्यक्त करते हैं और उनके लिए संघर्ष करते हैं। केरल कांग्रेस की महापंचायत के बीच स्टेज पर आकर एक बच्चे ने राहुल के साथ सेल्फी ली। इसके बाद बच्चे ने राहुल ने बच्चे के चॉकलेट भी दी।

अच्छी खबर अगले चार वर्षों में प्रति व्यक्ति आय में 33 प्रतिशत से अधिक की होगी वृद्धि

2030 तक उच्च मध्य आय श्रेणी वाला देश बनेगा भारत

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार को देखते हुए भारतीय स्टेट बैंक (SBI) ने सोमवार को एक उत्साहजनक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत वर्ष 2030 तक 'उच्च मध्य आय' श्रेणी वाले देशों के क्लब में शामिल हो जाएगा। अनुमान है कि अगले चार वर्षों के भीतर देश की प्रति व्यक्ति आय में लगभग 33 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी होगी। आर्थिक सुधारों की यही गति बनी रही, तो भारत वर्ष 2028 तक जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

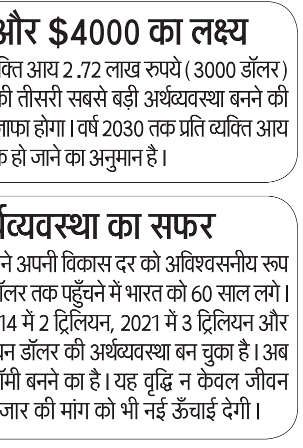

प्रति व्यक्ति आय में उछाल और $4000 का लक्ष्य

रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2026 तक भारत की प्रति व्यक्ति आय 2.72 लाख रुपये (3000 डॉलर) तक पहुँचने की उम्मीद है। जैसे-जैसे देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ेगा, लोगों की व्यक्तिगत आय में भी भारी इजाफा होगा। वर्ष 2030 तक प्रति व्यक्ति आय बढ़कर 3 .62 लाख रुपये (4000 डॉलर) से अधिक हो जाने का अनुमान है।

चार ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का सफर

भारत के आर्थिक सफर के आंकड़े बताते हैं कि देश ने अपनी विकास दर को अविश्वसनीय रूप से तेज किया है। आजादी के बाद पहले 1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँचने में भारत को 60 साल लगे। लेकिन इसके बाद की प्रगति चौंकाने वाली रही: 2014 में 2 ट्रिलियन, 2021 में 3 ट्रिलियन और अब मात्र 4 साल के भीतर (2025) भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन चुका है। अब लक्ष्य 2027-28 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनने का है। यह वृद्धि न केवल जीवन स्तर में सुधार लाएगी, बल्कि घरेलू खपत और बाजार की मांग को भी नई ऊँचाई देगी।

2047 तक 'विकसित भारत' और उच्च आय का सपना

एसबीआई की रिपोर्ट कहती है कि यदि भारत अपनी वर्तमान सुधार प्रक्रिया को जारी रखता है, तो आजादी के 100वें वर्ष यानी 2047 तक भारत एक 'उच्च आय वाला देश' बन सकता है। इसके लिए प्रति व्यक्ति आय को 12 .63 लाख रुपये (13,936 डॉलर) के स्तर पर ले जाना होगा।